हिंदी

कक्षा V

केरल सरकार

शिक्षा विभाग

2016

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्
केरल, तिरुवनंतपुरम

KT 137-1/Hindi-5

राष्ट्रगीत

जनगण-मन अधिनायक जय हे,
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंध-गुजरात-मराठा,
द्राविड़-उत्कल-बंगा
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा,
उच्छल जलधि तरंगा,
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मागे,
गाहे तव जय-गाथा
जनगण-मंगलदायक जय हे,
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे
जय जय जय, जय हे।

प्रतिज्ञा

भारत हमारा देश है। हम सब भारतवासी भाई-बहन हैं। हमें अपना देश प्राणों से भी प्यारा है। इसकी समृद्धि और विविध संस्कृति पर हमें गर्व है।

हम इसके सुयोग्य अधिकारी बनने का प्रयत्न सदा करते रहेंगे। हम अपने माता-पिता, शिक्षकों और गुरुजनों का आदर करेंगे और सबके साथ शिष्टता का व्यवहार करेंगे।

हम अपने देश और देशवासियों के प्रति वफ़ादार रहने की प्रतिज्ञा करते हैं। उनके कल्याण और समृद्धि में ही हमारा सुख निहित है।

Prepared by :

State Council of Educational Research and Training (SCERT)
Poojappura, Thiruvananthapuram 695012, Kerala

Website : www.scertkerala.gov.in
e-mail : scertkerala@gmail.com
Phone : 0471 - 2341883, Fax : 0471 - 2341869
First Edition : 2014, Reprint : 2016
Printed at : KBPS, Kakkanad, Kochi-30
© Department of Education, Government of Kerala

दो शब्द...

प्यारे बच्चो,

इस साल आप एक नई दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं, हिंदी की। हिंदी भारत की राजभाषा है, और विश्व भर में उसकी प्रबल सत्ता है। हिंदी साहित्य सर्जना सर्वाधिक है, विशाल एवं गहरी है। पाँचवीं कक्षा की इस पुस्तक में आपके लिए छोटी-छोटी कविताएँ, कहानियाँ, चित्र कथाएँ आदि समाहित हैं जो सरस एवं सारपूर्ण हैं।

आशा है कि यह किताब आपके हिंदी अध्ययन को सुचारू बना देगी और हिंदी पठन-पाठन को प्रेरणा प्रदान करेगी।

शुभकामनाओं के साथ

डॉ.पी.ए. फ़ातिमा

निदेशक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं

प्रशिक्षण परिषद्, केरल

अध्यापकों के लिए

पाँचवीं कक्षा के बच्चे हिंदी भाषा से परिचय पा रहे हैं। उनके लिए यह पहला कदम है। बच्चों को हिंदी भाषा के प्रति रुचि प्रदान करना हमारा कर्तव्य है। इसके लिए बालगीत,चित्र-कथा,भाषाई खेल आदि का सहारा ले सकते हैं। इस उद्देश्य को ध्यान में रखकर कुछ गतिविधियाँ तैयार की गई हैं। वह है 'तलाश'। इसके लिए चार कालांश निर्धारित है। फिर हम पाठ्यपुस्तक की प्रक्रियाओं से गुज़रें।

किताब में प्रक्रियाओं के लिए संकेत चिह्न दिया गया है। उसके अनुसार ही कार्य चलाएँ। अधिगम उपलब्धियाँ हर इकाई के अंत में दी गई हैं, जिनसे आप पहले से परिचय पाएँ। निर्धारण कार्य भी करें। यदि छात्र अधिगम उपलब्धियाँ पाने में असमर्थ रहे तो उपचारात्मक गतिविधियाँ भी अपनाएँ। हर इकाई की शुरुआत चित्र से होती है। चित्रवाचन का अवसर दें। प्रश्नों के ज़रिए छात्रों को प्रतिक्रिया करने का अवसर भी दें। इकाइयों में अक्षर खेल दिया गया है। इसका सम्यक लाभ उठाएँ। 'शब्दार्थ' में शब्दों का प्रासंगिक अर्थ दिया गया है। कक्षा में आप हिंदी का माहौल बनाएँ। ऐ.सी.टी का भी यथासंभव उपयोग करें। आशा है कि आप इस पुस्तक का पूरा लाभ उठाएँगे और हिंदी भाषा के वाक्य विन्यास, वर्तनी, प्रयोग, सही उच्चारण आदि में पर्याप्त सहायता देंगे।

पाठ्यपुस्तक रचना

कक्षा पाँच
हिंदी

कार्यशाला के सदस्य

अध्यक्ष

डॉ.वी.पी मुहम्मद कुंज मेत्तर

परामर्शदाता

प्रोफसर एम.एस जयमोहन

विशेषज्ञ

डॉ.एच.परमेश्वरन

डॉ. के.जी. चंद्रबाबु

डॉ. बी. अशोक

डॉ. सजीव.के

बिजोय.पी, पालत्तायी यू.पी स्कूल, कण्णूर

प्रमोद.ओ, जी.एच.एस काप्पिसेट, वयनाड

शिवप्रसाद.एम.आर, जी.एच.एस उम्मिनी,पालक्काड

श्रीकुमार.एस, जी.यू.पी.एस.अयलूर, पालक्काड

संतोषकुमार.के, डयट, कोल्लम

वीरान.के, के.के.एम.एच.एस चीक्कोड, मलप्पुरम

मोहनन.के, बी.आर.सी तिरूर, मलप्पुरम

दिनेशन पाचोल, ए.यू.पी.एस पानूर, कण्णूर

दीपा.वी.एस.नायर, जी.एस.एन.डी.पी.यू.पी.एस.पट्टत्तानम

चित्रकार

सी.राजेंद्रन,ए.वी.जी.बी.एच.एस तषवा

एलियास.पी.वी,जी.एच.एस वेल्लमुंडा, वयनाड

ले-आउट

हरिदास.एम.ए

अकादमिक समायोजिका

डॉ.रेखा.आर.नायर

अनुसंधान अधिकारी,एस.सी.ई.आर.टी

SCERT KERALA

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, केरल

तिरुवनंतपुरम

KT 137-2/Hindi-5

आगे के पन्नों में...

1. अनमोल प्यार	**9-19**
प्यारी माँ	कविता
घर	विवरण
स्कूल के रास्ते में	वार्तालाप
पतंग के साथ	चित्र-कहानी
2. चाँद के साथ	**20-34**
क्या हुआ?	लघु घटना
अस्पताल में	वार्तालाप
आसमान गिरा	चित्र-कहानी
चाँद के साथ	कविता
3. पीपल दादी की कथा	**35-46**
पीपल दादी की कथा	कहानी
जन्मदिन	पोस्टर
दिलेरा	कविता

आगे के पन्नों में...

4. गाँव की यादें		**47-57**
	दादाजी के साथ	वार्तालाप
	झूला	कविता
	यादें	डायरी
5. सपना		**58-68**
	बापूजी का सपना	लेख
	कवि का सपना	कविता
	बूँद का सपना	कहानी
6. बाँसुरी		**69-81**
	मनु और बाँसुरी	कहानी
	रोती क्यों?	वार्तालाप
	बाँसुरी की सोच	सोच
	बाँसुरी	कविता
7. दोस्ती		**82-100**
	मिलते हैं इसमें सब	कविता
	एक पल ज़िंदगी का	कहानी
	चमकती आँखें	कहानी

तस्वीरें बताती हैं।

छात्र लिखें

छात्र पढ़ें

छात्र खोजें

छात्र अनुबद्ध कार्य करें

छात्र बताएँ

छात्र एक साथ गाएँ

अध्यापिका कहें

छात्र सृजन करें

छात्र बनाएँ

ग्रूप चर्चा

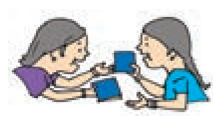
आपसी आकलन

छात्र स्व-आकलन करें

अध्यापक का आकलन

इकाई एक

अनमोल प्यार...

सीना...
ग्यारह साल की लड़की।
आज स्कूल का पहला दिन...
माँ खाना खिला रही हैं।
उसने सोचा 'कितनी प्यारी माँ...'

प्यारी माँ

प्यारी-प्यारी अम्मा मेरी,
मीठे-मीठे गीत सुनाती,
ताज़ा-ताज़ा दूध पिलाती,
तरह-तरह का खाना देती।

मेरी सारी बातें सुनती,
अच्छी-अच्छी सीखें देती,
संग सुलाती सुबह जगाती,
कितनी प्यारी अम्मा मेरी।

समान शब्दों के नीचे रेखा खींचें।
जैसे : <u>प्यारी-प्यारी</u> अम्मा मेरी

सीना स्कूल जा रही है।

चित्र में क्या-क्या हैं?
चित्र में कौन-कौन हैं?
सीना कहाँ जा रही है?

घर

यह सीना का घर है।

सीना के घर में माताजी, पिताजी और भाई हैं।

बताएँ, आपके घर में कौन-कौन हैं?

सीना स्कूल के रास्ते में।

वार्तालाप आगे बढ़ाएँ।

सीना की प्रोफ़ाइल

नाम : सीना. के

कक्षा : पाँच

स्कूल : जी.यू.पी स्कूल वडकरा

आयु : ग्यारह

यह मेरी प्रोफ़ाइल है।

नाम :...

कक्षा :...

स्कूल :...

आयु :...

शब्द बनाएँ ।

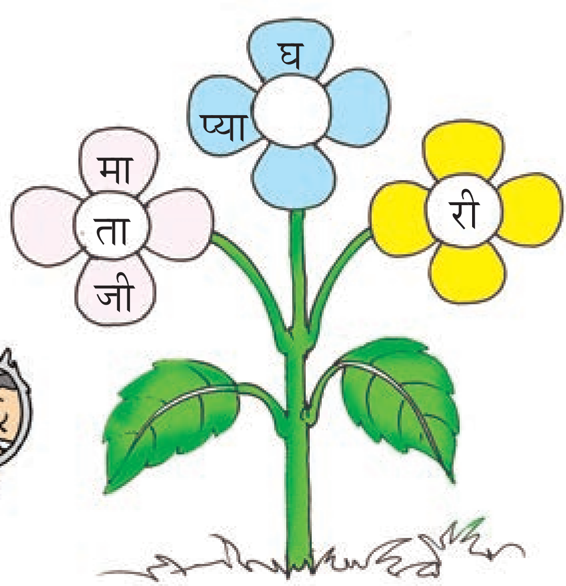

वाह...! कितनी सुंदर हो!

खुश हो न...?

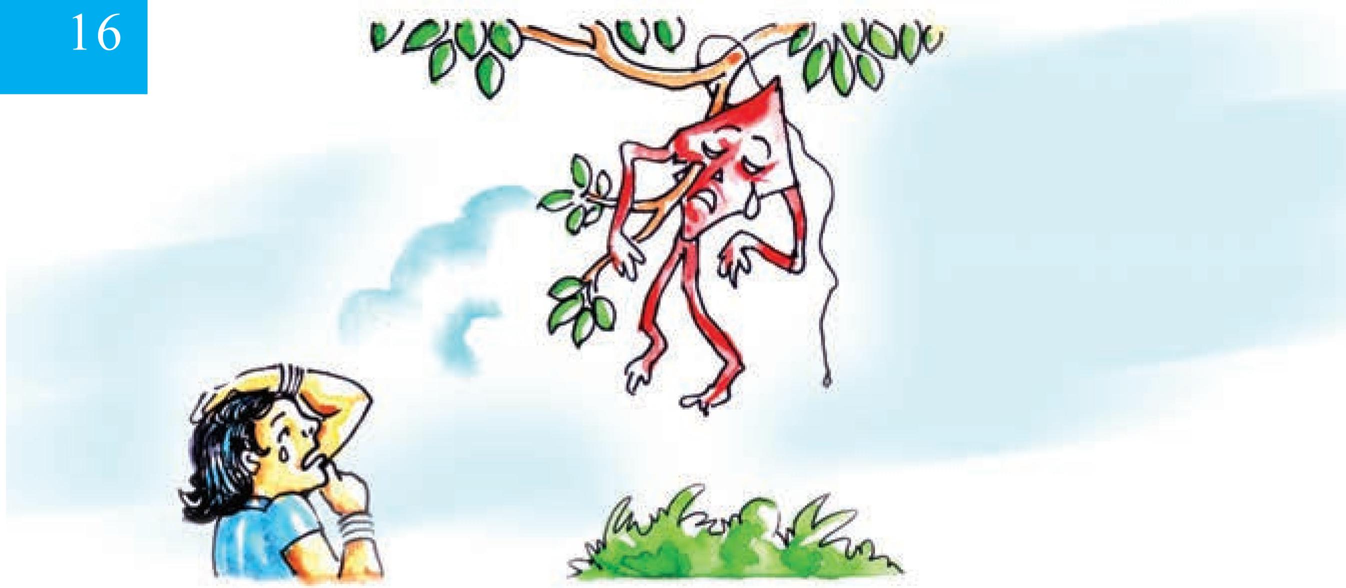

क्या करूँ... ?

नहीं, वही पतंग चाहिए।

उफ़...।

दर्द हुआ क्या?

रंग भरें

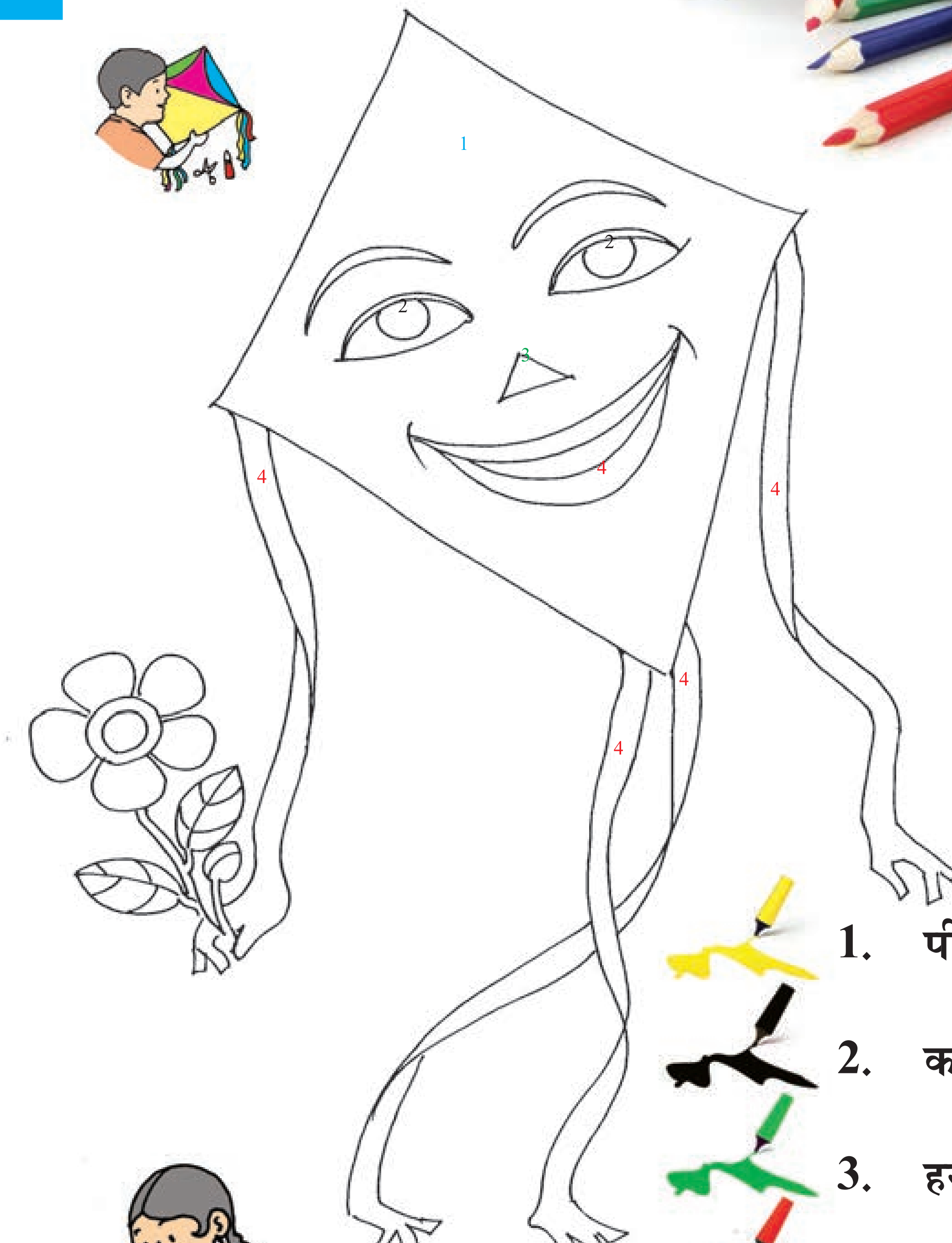

1. पीला
2. काला
3. हरा
4. लाल

बताएँ, मेरा नाम...

....

नाम दिया है, तो फूल को रंग दें।

शब्दार्थ

अनमोल	precious	അമൂല്യമായ
आयु	age	പ്രായം
कक्षा	class	ക്ലാസ്
खाना	food	ഭക്ഷണം
गीत	song	പാട്ട്
घर	home	വീട്
ताज़ा	pure	ശുദ്ധമായ
तरह-तरह का	dfferent kinds of	വിവിധതരത്തിലുള്ള
देता	give	നൽകുന്നു
दर्द	pain	വേദന
दूध	milk	പാൽ
पाँचवीं कक्षा	fifth standard	അഞ്ചാംതരം
पतंग	kite	പട്ടം
प्यार	love	സ്നേഹം
भाई	brother	സഹോദരൻ
माँ	mother	അമ്മ
मीठा	sweet	മധുരമുള്ള
सुनाना	to make hear	കേൾപ്പിക്കുക
संग	together	ഒന്നിച്ച്
सुलाती	to make sleep	ഉറക്കുന്നു
सुबह	dawn	പ്രഭാതം
जगाती	to wake up	ഉണർത്തുന്നു
नाम	name	പേര്
खुश	happy	സന്തോഷമുള്ള
बचाओ	save	രക്ഷിക്കൂ

अधिगम उपलब्धि

- ताल-लय के साथ बालगीत सुनकर आस्वादन और आलापन करने की क्षमता प्राप्त करता है।
- विवरण सुन-पढ़कर आशय ग्रहण करने की क्षमता प्राप्त करता है।
- वार्तालाप के द्वारा दैनिक जीवन में प्रयुक्त शब्दों और शैलियों को पहचानता है।
- प्रोफ़ाइल तैयार करता है।
- चित्रकथा सुन-पढ़कर आशय ग्रहण करता है।

चाँद के साथ

क्या हुआ?
कैसे हुआ?

पढ़ें क्या हुआ?

विनु दोस्त के घर जा रहा था।
सड़क पर केले का छिलका पड़ा था।
छिलके पर साइकिल फिसल गई।
विनु नीचे गिरा। पैर पर चोट लगी।

कौन गिरा?
कैसे गिरा?

विनु अस्पताल में

विनु ने क्या कहा होगा?

विनु घर में

एक खरगोश पेड़ के नीचे सो रहा था।

"आसमान नीचे गिरा...!"
वह चिल्लाकर भागा।

यह सुनकर लोमड़ी, भालू, हाथी,
हिरण, बंदर सब खरगोश के पीछे दौड़े।

दौड़-दौड़ कर वे उसी पेड़ के नीचे पहुँचे।

पेड़ के नीचे कटहल पड़ा था।
सभी को शरम आई और हँसने लगे।

परिचित जानवरों पर गोला लगाएँ।

जिराफ़	बिल्ली	कुत्ता
गाय	हाथी	लोमड़ी
हिरण	बकरी	शेर
खरगोश	भालू	बंदर

बाँटें

पालतू जानवर

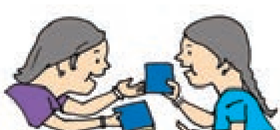

जंगली जानवर

रात का समय
विनु भाई कुञ्जुमोन के साथ...
बरामदे में...

चाँद के साथ

चंदा मामा कितना प्यारा,
चेहरा कितना गोरा।
कभी मेघ में तुम छिप जाते,
कभी-कभी मुसकाते।

कभी न तुम छिप जाओ मामा,
मेरे आंगन आओ।
साथ मेरे तुम खेलो मामा,
मेरा दिल बहलाओ।

हर पंक्ति का अंतिम शब्द अलग करके लिखें।

बताएँ मैं कौन?

पैर नहीं, पर चलती हूँ।
णिङ णिङ करती जाती हूँ।

फलों में बड़ा हूँ।
काँटों से भरा हूँ।

हाथ में हूँ ,साथ में नहीं।
साथी में हूँ ,साड़ी में नहीं।

चित्र खींचें, नाम दें।

बताएँ मैं
कौन हूँ?

....

सही या गलत लिखें

चित्र के स्थान पर शब्द जोड़ें, कहानी पढ़ें।

विनु एक दिन 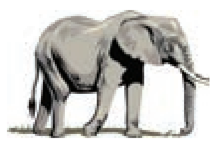 पर बैठकर जंगल जा रहा था। रास्ते में 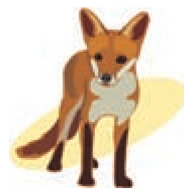 और से मिला। 'हैलो' बताते हुए आगे चला। 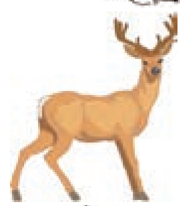 घास और 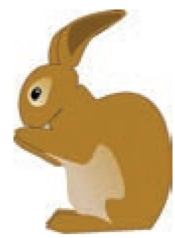 केला खा रहे थे। 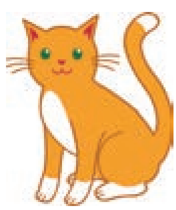 और 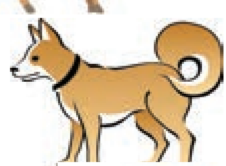 एक साथ खेल रहे थे। 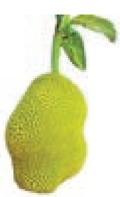 के पेड़ पर बैठ कर टाटा बोला। विनु भी टाटा बोला। वह 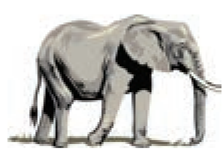 के ऊपर से नीचे गिरा और चिल्लाने लगा। मामा-मामी दौड़कर आए,“ क्या हुआ बेटा ?” “ मैंने एक सपना देखा।” विनु ने कहा।

शीर्षक दें।

उलटा-पुलटा

न	आ	मा	स	....
म	ड़ी	लो		....
ह	ल	क	ट	....
ग		न	आं	....
ड़	क		स	....

अधिगम उपलब्धि

- घटना सुन-पढ़कर आशय ग्रहण करने की क्षमता प्राप्त करता है।
- वार्तालाप के द्वारा दैनिक जीवन में प्रयोग करनेवाले शब्दों, प्रयोगों तथा शैलियों को पहचानता है।
- चित्रकथा सुन-पढ़कर आशय ग्रहण करता है।
- ताल-लय के साथ बाल गीत सुनकर आस्वादन और आलापन करता है।
- पहेलियाँ बुझाने की क्षमता प्राप्त करता है।
- लघु कहानी सुन-पढ़कर आशय ग्रहण करता है।

शब्दार्थ

अचानक	suddenly	പെട്ടെന്ന്
आगे चला	walked forward	മുന്നോട്ടു നടന്നു
आराम करना	take rest	വിശ്രമിക്കുക
अस्पताल	hospital	ആശുപത്രി
आसमान	sky	ആകാശം
आवाज़	sound	ശബ്ദം
आंगन	courtyard	മുറ്റം
एक साथ	together	ഒരുമിച്ച്
कुत्ता	dog	നായ
काँटों से भरा	full of thorn	മുള്ള് നിറഞ്ഞ
कटहल	jack fruit	ചക്ക
केला	banana	വാഴപ്പഴം
केले का छिलका	banana peels	പഴത്തൊലി
खेलो	play	കളിക്കൂ
खरगोश	rabbit	മുയൽ
गाँव	village	ഗ്രാമം
गोरा	white	വെളുത്ത
गलत	wrong	തെറ്റ്
गाय	cow	പശു
घास	grass	പുല്ല്
चांद, चंदा	moon	ചന്ദ്രൻ
चिल्लाना	cry loudly	ഉറക്കെ കരയുക
चोट	wound	മുറിവ്
जंगल	forest	വനം
छिपना	hide	മറയുക

शब्दार्थ

दोस्त	friend	സുഹൃത്ത്
दौड़ा	ran	ഓടി
दिल बहलाओ	make happy	സന്തോഷിപ്പിക്കൂ
धन्यवाद	thanks	നന്ദി
नीचे गिरा	fell down	വീണു
पैर	leg	കാൽ
पेड़	tree	മരം
पहुँचा	reached	എത്തി
बरामदा	varandah	വരാന്ത
बिल्ली	cat	പൂച്ച
बकरी	she goat	ആട്
बंदर	monkey	കുരങ്ങ്
फिसल गई	slipped	വഴുതി വീണു
भरा	filled with	നിറഞ്ഞ
भयानक	horrible	പേടിപ്പെടുത്തുന്ന
भागा	ran	ഓടി
भालू	bear	കരടി
रास्ते में	on the way	വഴിയിൽ
सही	true	ശരിയായ
से मिला	met	കണ്ടുമുട്ടി
शेर	lion	സിംഹം
शरम	shame	ലജ്ജ
हाथ	hand	കൈ
हँसना	to laugh	ചിരിക്കുക

पीपल दादी की कथा

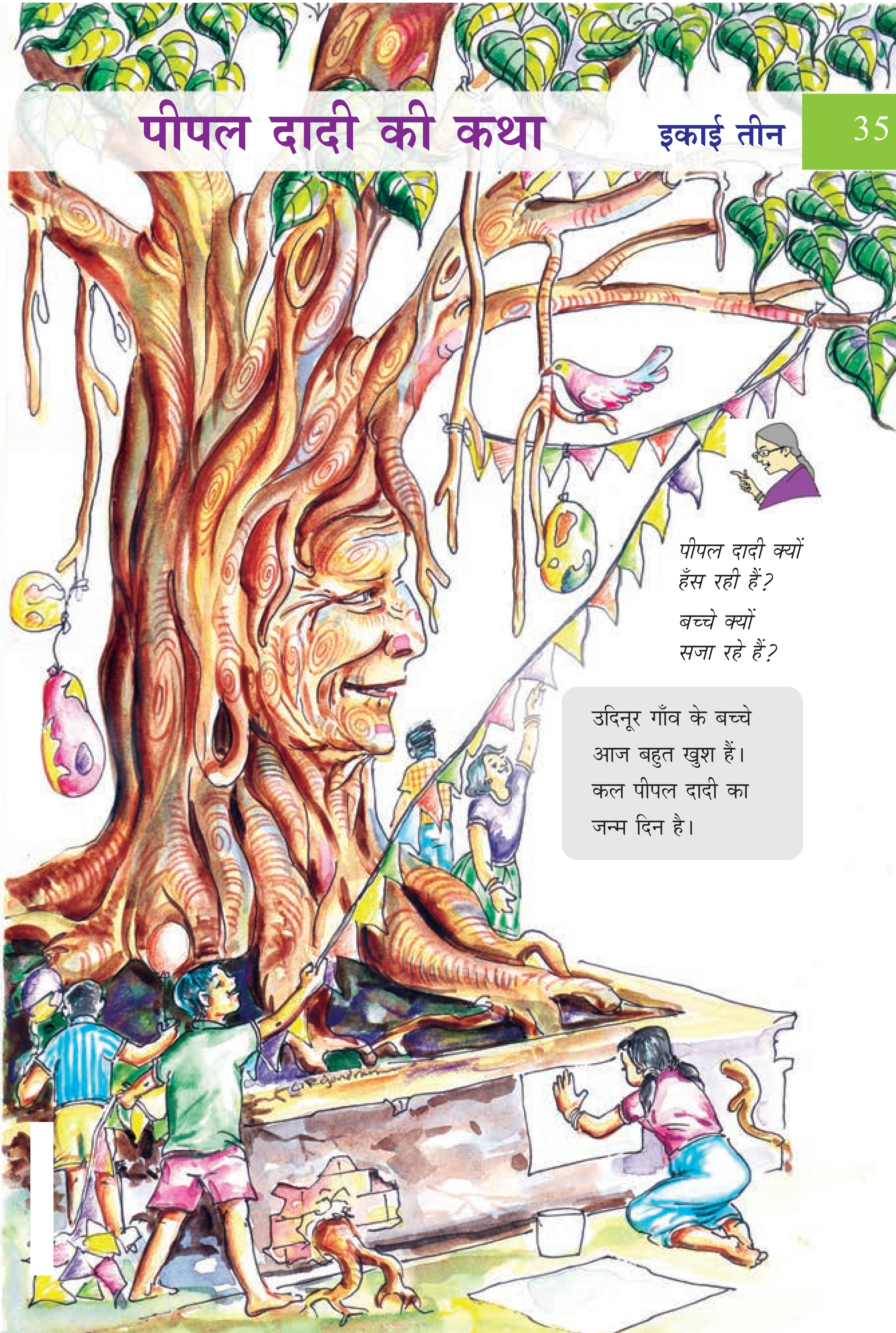

पीपल दादी क्यों हँस रही हैं?

बच्चे क्यों सजा रहे हैं?

उदिनूर गाँव के बच्चे आज बहुत खुश हैं। कल पीपल दादी का जन्म दिन है।

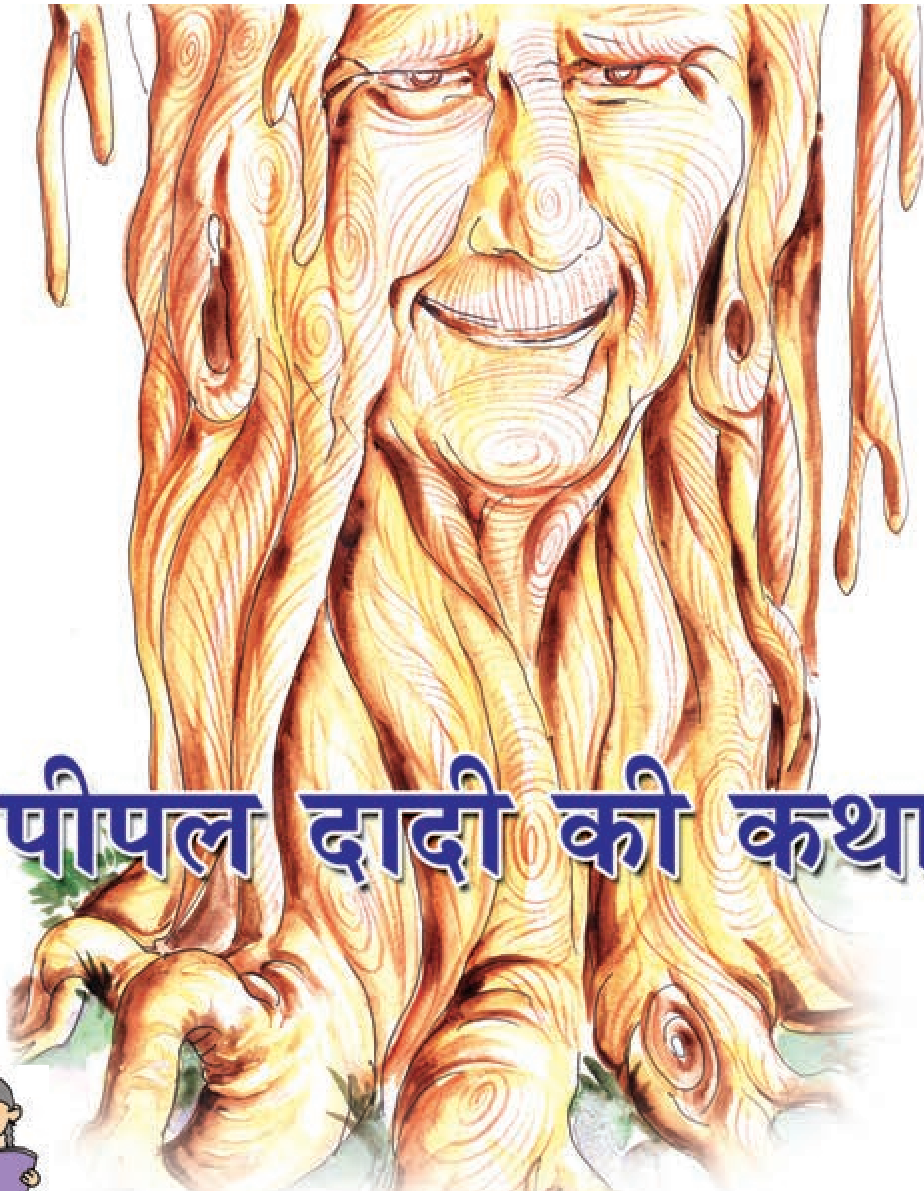

पीपल दादी की कथा

मैं पीपल का पेड़ हूँ। मैं नहीं जानती कि मेरी आयु कितनी है। लेकिन मुझे याद है, कई साल पहले किसी भले आदमी ने अगस्त के महीने में मुझे यहाँ लगाया था। हर साल इस गाँव के लोग एक अगस्त को मेरा जन्मदिन मनाते हैं। आज मैं बहुत खुश हूँ।

पीपल क्यों खुश है?

पीपल ने अपने बारे में बताया। आप भी अपने बारे में बताएँ...

- आप का नाम क्या है?
- आयु कितनी है?
- कहाँ रहते हैं?

- किसके साथ रहते हैं?
- मित्र कौन-कौन हैं?

KT 137-3/Hindi-5

पीपल दादी के जन्मदिन में
उदिनूर गाँव में सब कहीं
उत्सव का धूम-धाम है।
रंग-बिरंगे गुब्बारे, तोरण आदि से
मैदान सजाया है।
पोस्टर भी लगाया है।

स्वतंत्रता दिन समारोह के लिए पोस्टर बनाएँ

स्वतंत्रता दिन संबंधी शीर्षक है।	🙂	☹
तारीख और स्थान हैं।	🙂	☹
उचित चित्र खींचा है।	🙂	☹
आकर्षक बनाया है।	🙂	☹

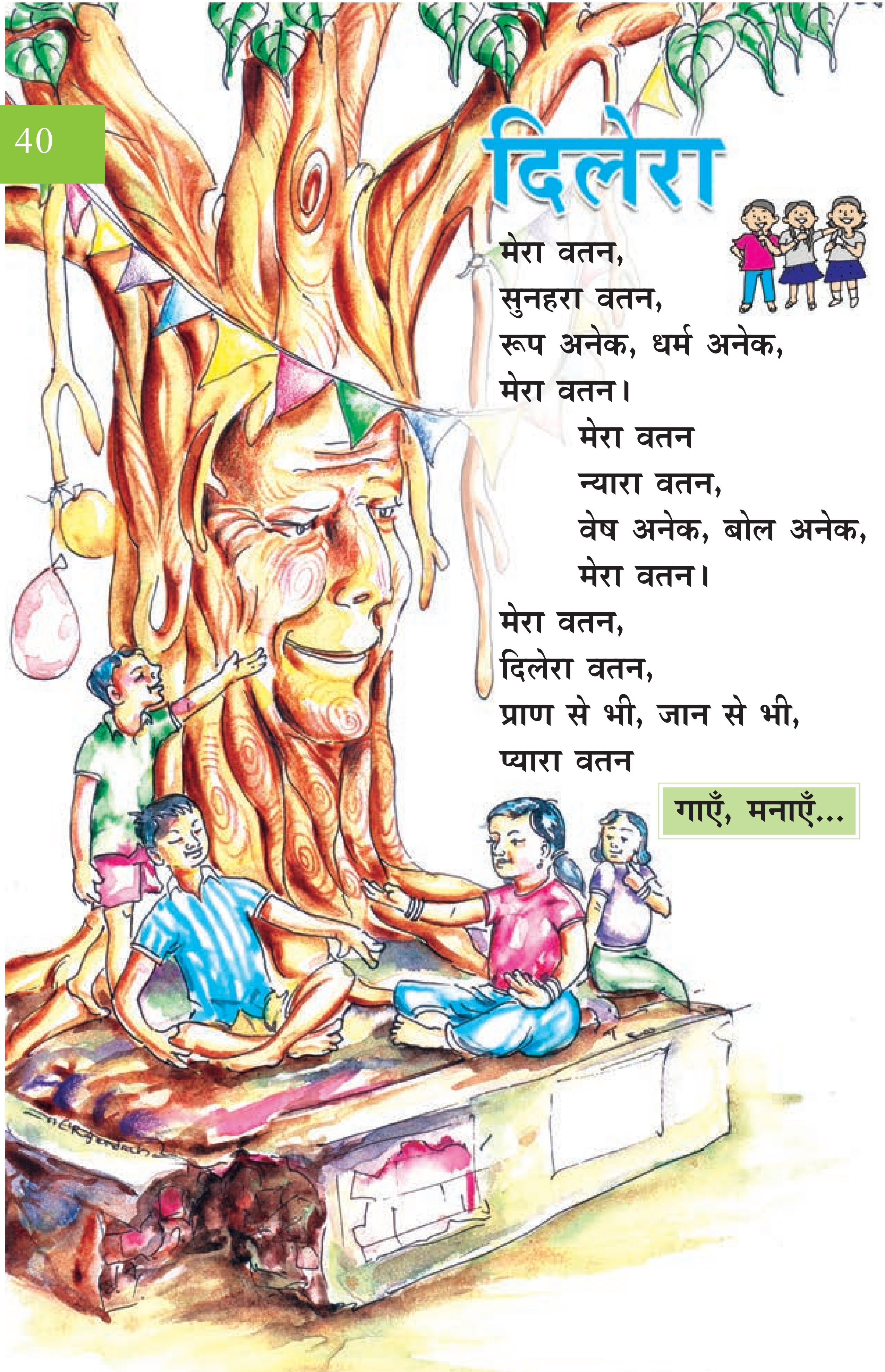

दिलेरा

मेरा वतन,
सुनहरा वतन,
रूप अनेक, धर्म अनेक,
मेरा वतन।

मेरा वतन
न्यारा वतन,
वेष अनेक, बोल अनेक,
मेरा वतन।

मेरा वतन,
दिलेरा वतन,
प्राण से भी, जान से भी,
प्यारा वतन

गाएँ, मनाएँ...

मनोज की नाव

मनोज ग्यारह साल का लड़का।
घर में पिताजी, माताजी और दादी।
गाँव में नदी के पास एक छोटा घर।
घर के पीछे पहाड़।
वहाँ के जंगल में हाथी, भालू, लोमड़ी,
हिरण आदि जानवर।
घर के सामने पीपल, कटहल आदि के पेड़।

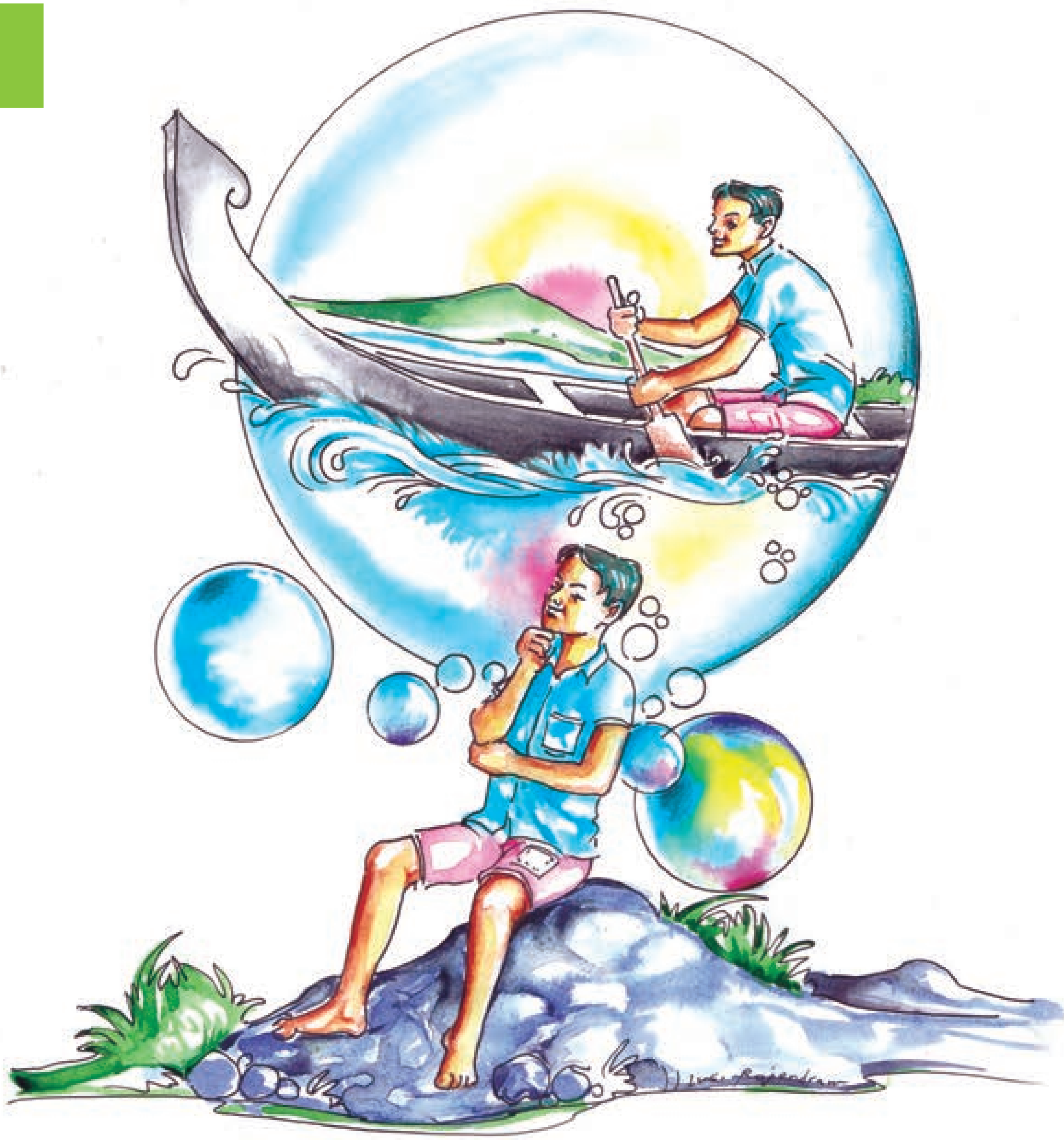

नाव चलाना उसका सपना था।
लेकिन माँ-बाप अनुमति नहीं देते थे।
एक दिन मनोज घर में अकेला था।
नाव चलाने का एक अच्छा अवसर मिल गया।

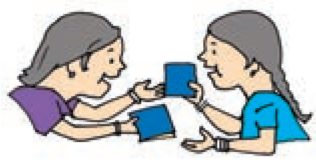

वह नाव चलाने लगा।
"वाह! कितना मज़ा है...।
अचानक आकाश में बादल छा गए।
सूरज गायब। पानी बरसने लगा।

"बचाओ... बचाओ..." वह रोने लगा।
नाव नदी के बीच में...
एक पत्थर से टकराकर नाव टूट गई।
मनोज को चोट लगी। नाव पानी में डूब गई।

चिल्लाहट सुनकर कई लोग आए।
मनोज पूरी ताकत के साथ तैरने लगा।
किनारे पहुँचते ही थक गया। उसको देखकर
माँ-बाप खुश हुए। घर की ओर चलते-चलते
उसको माँ-बाप की बातें याद आईं।

खेलें, ट्रॉफ़ी पाएँ...

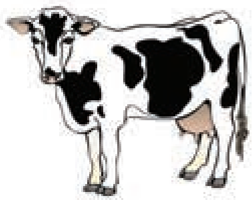

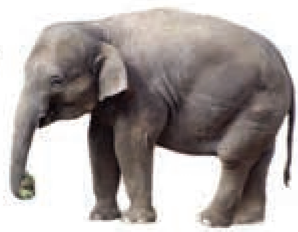

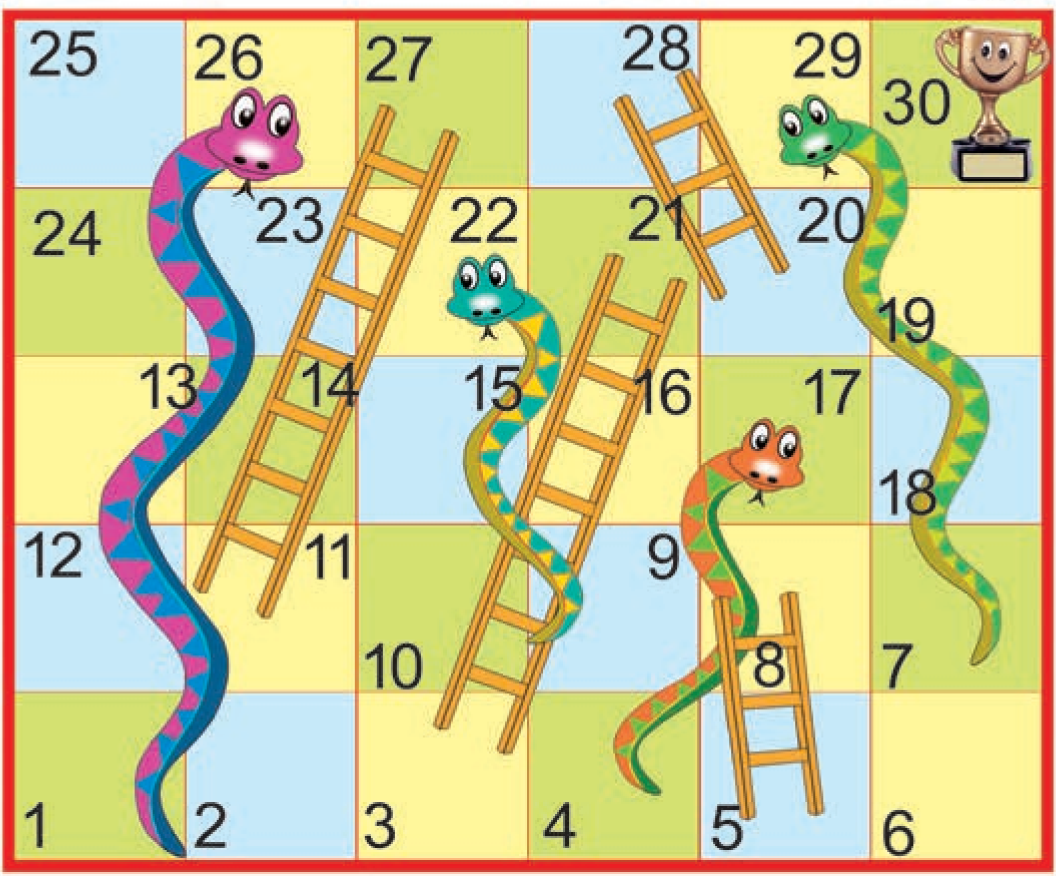
25
26
27
28
29
30
24
23
22
21
20
19
13
14
15
16
17
18
12
11
9
10
8
7
1
2
3
4
5
6

शब्दार्थ

अकेला	alone	തനിയെ
अनुमति	permission	അനുവാദം
पीपल	banyan tree	അരയാൽമരം
जानता	knows	അറിയുന്നു
याद	memory	ഓർമ്മ
साल	year	വർഷം
स्वतंत्रता दिन	independence day	സ്വാതന്ത്ര്യദിനം
जन्मदिन	birth day	ജന്മദിനം
लड़का	boy	ആൺകുട്ടി
पहाड़	mountain	പർവ്വതം
जानवर	animal	മൃഗം
के पास	near	അരികെ
के पीछे	back	പിന്നിൽ
के सामने	in front of	മുന്നിൽ
नाव चलाना	to row a boat	തോണി തുഴയുക
सपना	dream	സ്വപ്നം
बादल	cloud	മേഘം
छा गए	spread	വ്യാപിച്ചു
सूरज	sun	സൂര്യൻ
गायब	disappeared	അപ്രത്യക്ഷമായ
बरसने लगा	started to rain	പെയ്യാൻ തുടങ്ങി
रोना	to cry	കരയുക
के बीच में	in the middle of	മധ്യത്തിൽ
पत्थर	stone	കല്ല്
टकराना	collide	കൂട്ടിമുട്ടുക

अधिगम उपलब्धि

- आत्मकथांश सुनकर और पढ़कर समझने की क्षमता प्राप्त करता है।
- अपने बारे में लिखने की क्षमता प्राप्त करता है।
- पोस्टर पढ़कर आशय ग्रहण करने की क्षमता प्राप्त करता है।
- पोस्टर तैयार करने की क्षमता प्राप्त करता है।
- ताल-लय के साथ बालगीत सुनकर आस्वादन और आलापन करने की क्षमता प्राप्त करता है।

इकाई चार

गाँव की यादें

रेल गाड़ी की खिड़की से अमल बाहर के नज़ारे देख रहा था। 'करीब दो साल हुए दादा, दादी, मुन्नी आदि से मिलकर।' अमल सोच रहा था। तब तक गाड़ी रुक गई। "पालक्काड़ जंक्शन पर आपका स्वागत है।"

यात्रीगण, कृपया ध्यान दें
गाड़ी संख्या एक-दो-दो-छह-नौ-पाँच
चेन्नै से तिरुवनंतपुरम तक जानेवाली
चेन्नै-तिरुवनंतपुरम एक्सप्रेस
प्लैटफॉर्म नंबर दो पर खड़ी है।

अमल कहाँ से आ रहा है?
कहाँ जा रहा है?

दादाजी ताड़ के
पेड़ के पास, खेतों के
बीच उनकी प्रतीक्षा
में खड़े थे। देखते ही अमल
दौड़कर उनसे लिपट गया।

"अमल..., कैसे हो बेटा...?"
"ठीक हूँ दादा जी, आप कैसे हैं?"
"हाँ मैं भी ठीक हूँ... चेन्नै कैसा है?"
"अच्छा है, लेकिन...."
"क्या हुआ बेटा....?"
"कोई दोस्त है ही नहीं, सब व्यस्त हैं।"

दोनों ने और क्या-क्या बातें की होंगी?

मामा के बारे में ...
दादी के बारे में...
स्कूल के बारे में...
गाँव के बारे में...
माँ-बाप के बारे में...

मुन्नी से मिलकर अमल खुश हुआ।
आम के पेड़ पर झूला लगाया था।
दोनों झूलने लगे।

झूला

आ जा मुन्नी देखो झूला,
इस झूले पर हम झूलेंगे।
इसपर बैठे ऊपर जाके,
आसमान को हम छू लेंगे।

झूला झूल रहा है ऊपर,
झूला झूल रहा है नीचे।
बाएँ देखें हिलते पत्ते,
दाएँ देखें डुलती डाली।

धीरे-धीरे चलता झूला,
तेज़ी से यह उड़ता झूला।
चक्कर खाते मज़ा बढ़ाते,
मेरा मन बहलाता झूला।

दो हफ़्ते बीत गए...
कितना मज़ा था।
फिर उनसे कब मिलूँ...
बीते दिनों की याद
अमल के मन में
उभरने लगी।

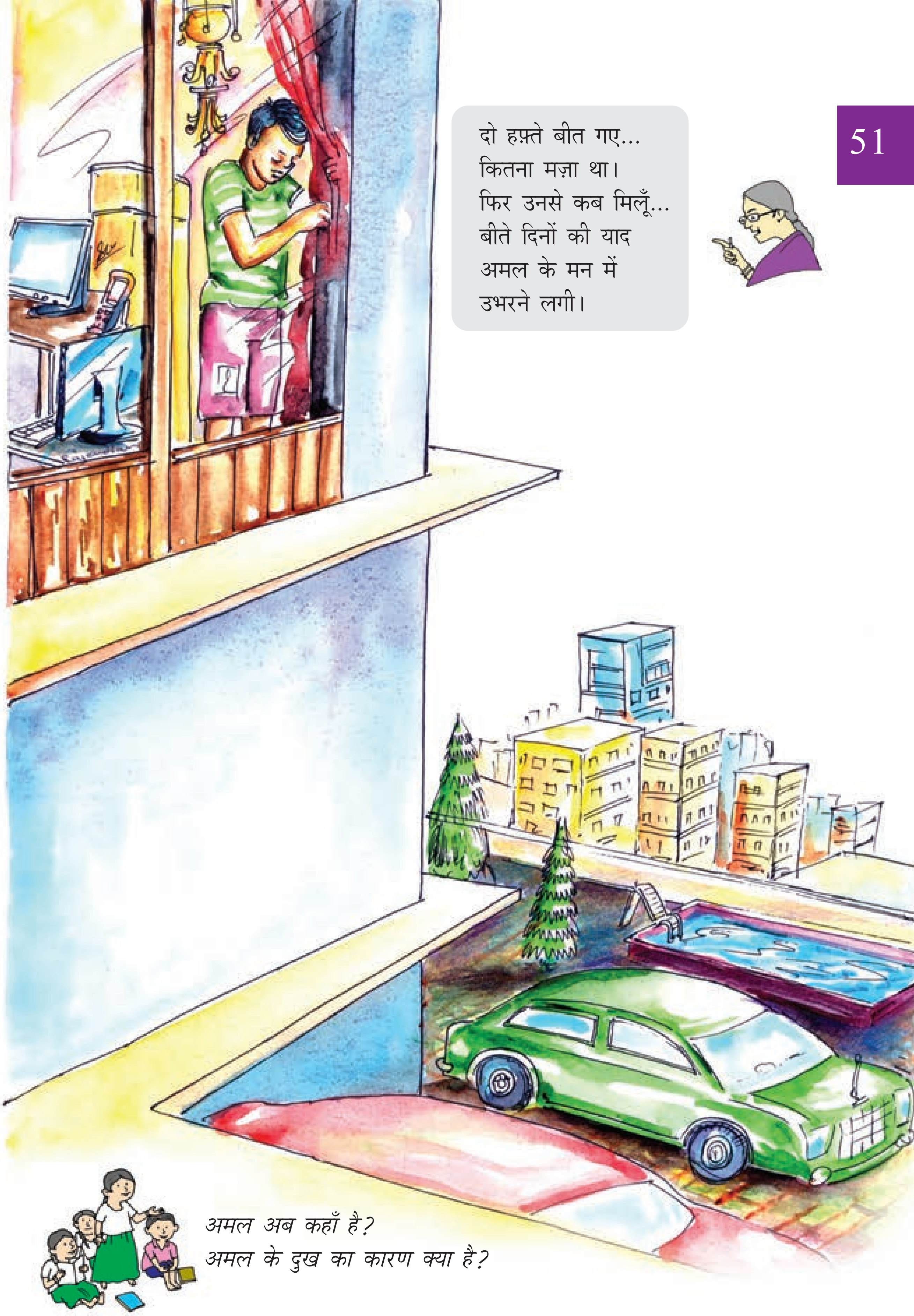

अमल अब कहाँ है?
अमल के दुख का कारण क्या है?

खुशी के दो हफ़्ते...
मुन्नी की मुस्कान अब भी मन में भरी।
दादा जी ताड़ के पेड़ के नीचे
खेतों के बीच खड़े थे।
हमारी प्रतीक्षा में।
दादी जी ने मिठाई कितनी खिलाई...
आम का पेड़, झूला...
वह प्यार, वह खुशी
ये सब मिलेंगे साल भर बाद।
उफ़...।

किसी ऐसे दिन का अनुभव लिखें।

53 उद्घोषणा

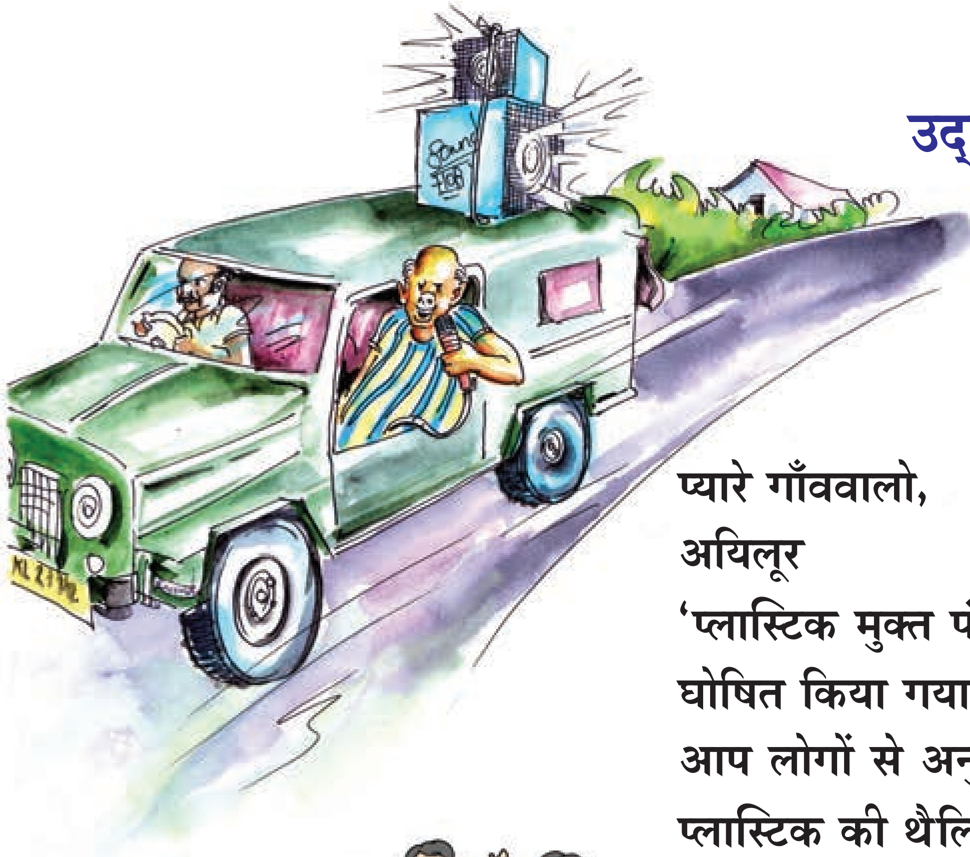

प्यारे गाँववालो,
अयिलूर
'प्लास्टिक मुक्त पंचायत'
घोषित किया गया है।
आप लोगों से अनुरोध है कि,
प्लास्टिक की थैलियों का
इस्तेमाल न करें...

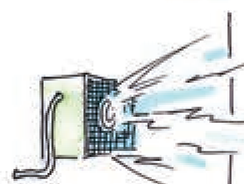

बच्चो, कृपया ध्यान दे,
कल शाम चार बजे हिंदी मंच की
एक विशेष बैठक सातवीं कक्षा में होनेवाली है।
मंच के सदस्यों से अनुरोध है कि
ठीक समय पर उपस्थित हों।

उचित वाक्य जोड़ें।

- मुन्नी अमल के पास है।
- मुन्नी झूला झूल रही है।
- अमल दादी के साथ है।
- अमल दादाजी से मिला।

रास्ता ढूँढ़ें...

रेलवे स्टेशन
रेल-गाड़ी
दादा
जिराफ़
ताड़ के पेड़
नाव
स्कूल
घर
झूला
प्यारा
सड़क
खेल
दादी
मुन्नी
पतंग
ऊपर
मज़ा
दोस्त
आसमान

शब्द बनाएँ ।

कटहल

क	छि	इ	न	गो
त	दी	घ	पी	स
पे	र	का	ड	ल
की	ट	ह	प	दा
व	ना	ख	कि	स

शब्दार्थ

यात्रीगण	passengers	യാത്രക്കാർ
कृपया ध्यान दें	attention please	ദയവായി ശ്രദ്ധിച്ചാലും
संख्या	number	സംഖ്യ
व्यस्त	busy	തിരക്ക്
झूला झूलेंगे	will swing	ഊഞ്ഞാലാടും
आसमान छू लेंगे	will touch the sky	ആകാശം തൊടും
बाएँ	left	ഇടത്
दाएँ	right	വലത്
डुलती डाली	swaying branch	ആടുന്ന ശിഖരം
तेज़ी-तेज़ी	fast	വേഗത്തിൽ
चक्कर खाकर	moving up and down	മേലോട്ടും താഴോട്ടും
मज़ा लगाकर	making happy	ആനന്ദിപ്പിച്ചിട്ട്
प्यार खोना	to lose the love of	സ്നേഹം നഷ്ടപ്പെടുക
ताड़ का पेड़	palm tree	പന
खड़ा था	was standing	നിൽക്കുകയായിരുന്നു
खिलाई	make eat	തീറ്റിച്ചു
बैठक	meeting	ഒത്തുചേരൽ
अनुरोध	request	അഭ്യർത്ഥന
घोषित किया	declared	പ്രഖ്യാപിച്ചു
थैली	bag	സഞ്ചി
इस्तेमाल न कर	don't use	ഉപയോഗിക്കരുത്

अधिगम उपलब्धि

- उद्घोषणा सुनकर समझने की क्षमता प्राप्त करता है।
- वार्तालाप सुन पढ़कर आशय ग्रहण करने की क्षमता प्राप्त करता है।
- वार्तालाप तैयार करने की क्षमता प्राप्त करता है।
- ताल-लय के साथ बाल गीत सुनकर आस्वादन करने की क्षमता प्राप्त करता है।
- ताल-लय के साथ बालगीत आलाप करने की क्षमता प्राप्त करता है।
- डायरी पढ़कर आशय ग्रहण करने की और लिखने की क्षमता प्राप्त करता है।

सब सपने देखते हैं
आपने भी सपने देखे होंगे...
सभी सपने साकार नहीं होते।
कुछ सपनों को अवश्य साकार करना है।

सपना

बापू का सपना

मैं ऐसे भारत के लिए
कोशिश करूँगा,
जहाँ ऊँच-नीच का
भेद-भाव न हो।
जातियाँ मिलजुलकर रहती हों।
स्त्री-पुरुष का समान
अधिकार हो
और दुनिया से हमारा संबंध
शांति और भाई-चारे का हो।
यही है मेरे सपनों का भारत।

दुनिया में शांति बनाए रखने केलिए हम क्या-क्या करें....?

लेख के आधार पर मिलाएँ।

भेद	-	भाव
ऊँच	-	....
मिल	-	....
स्त्री	-	....
भाई	-	....

भाव
पुरुष
नीच
चारा
जुल

उचित संदेश जोड़कर पोस्टर बनाएँ।

यहाँ कवि अपना सपना बताता है।

कवि का सपना

मन करता है पेड़ बनकर
सबको शीतल छाया दूँ।
मन करता है बादल बनकर
सबको स्वच्छ पानी दूँ।
मन करता है दर्पण बनकर
सबसे सब दिन सच कहूँ।
मन करता है मुस्कान बनकर
हर दिन सबसे प्यार करूँ।
मन करता है सत्कर्मों से
इस धरती पर स्वर्ग रचूँ।

अपने सपनों को कविता से जोड़ें, शीर्षक दें...

मन करता है ....

बादल में रहने वाली बूँद का भी एक सपना था...।
क्या वह साकार होगा ?

बूँद का सपना

बादल में बैठी
बूँद नीचे की ओर देख
रही थी...

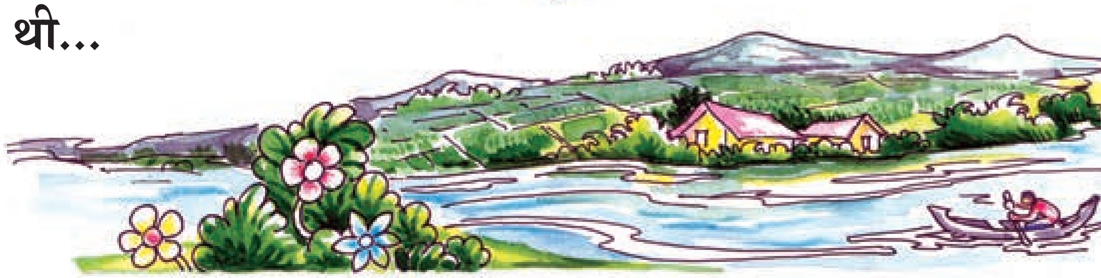

लहराती हरियाली,
रंग-बिरंगे फूल, खेलते बच्चे,
वाह...! यह धरती कितनी सुंदर है।
जल्दी-ही वहाँ पहुँचना है।
फिर क्या था...?
वर्षा बनकर बूँद नीचे आ गिरी।

नदी की लहरों में तैर कर,

खेतों को सिंचाकर,

गाँवों से होकर शहर की एक टंकी में
गिर पड़ी।

वहाँ से नल के अंधकार
से गुज़र कर
मशीनों में चक्कर खाकर...
बेचारी बूँद की लाचारी !
एक बोतल के भीतर...

अब वह दूकान के बाहर ...
प्यासे बच्चे-बूढ़े सामने से
निकल जाते। वह उनकी
प्यास बुझाना चाहती है।
लेकिन...

पानी का सदुपयोग -
पोस्टर बनाएँ

पानी बरसता रहा...।

पौधों पर, पेड़ों पर, पत्तों पर...।

फल भी निकले...।

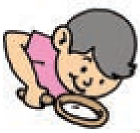

बैंगन

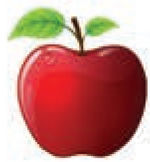

सेब

गाजर

संतरा

हरीमिर्च

केला

टमाटर

अंगूर

आलू

अनार

करेला

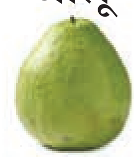

अमरूद

पढ़ें, तालिका में भरें।

सब्जी	फल

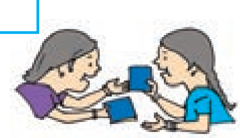

पहचानें...लिखें...रंग भरें...

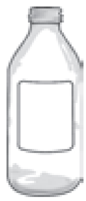

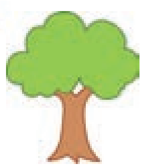

....

....

....

....

....

....

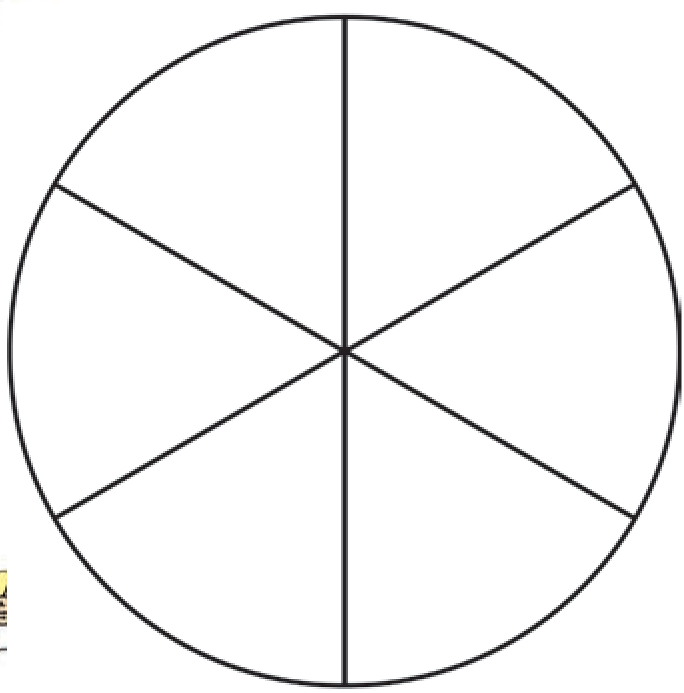

शब्दार्थ

साकार करना	to fulfill	സാക്ഷാത്കരിക്കുക
कोशिश करूँगा	will try	ശ്രമിക്കും
भेद-भाव	discrimination	വിവേചനം
ऊँच-नीच	high born and low born	ഉച്ചനീചത്വം
भाई-चारा	brotherhood	സാഹോദര്യം
छाया	shade	തണൽ
मन करता है	would like to	ആഗ്രഹിക്കുന്നു
स्वच्छ	pure	ശുദ്ധമായ
दर्पण	mirror	കണ്ണാടി
सच	truth	സത്യം
रचूँ	shall create	സൃഷ്ടിക്കാം
बूँद	drop	തുള്ളി
लहराती हरियाली	swaying greenery	ആടി ഉലയുന്ന പച്ചപ്പ്
रंग-बिरंगे	different coloured	വിവിധനിറത്തിലുള്ള
तैरना	to swim	നീന്തുക
सिंचाकर	after drenching	നനച്ചിട്ട്
टंकी	tank	സംഭരണി
नल	pipe	കുഴൽ
गुज़रकर	after entering	കടന്നിട്ട്

अधिगम उपलब्धि

- लघु लेख पढ़कर आशय ग्रहण करता है।
- पोस्टर बनाने की क्षमता प्राप्त करता है।
- बाल गीत सुन-पढ़कर आस्वादन करता है और ताल-लय के साथ आलाप करता है।
- कविता में पंक्तियाँ जोड़ने की क्षमता प्राप्त करता है।
- कहानी का अंश सुन-पढ़कर आशय ग्रहण करता है और आगे बढ़ाता है।

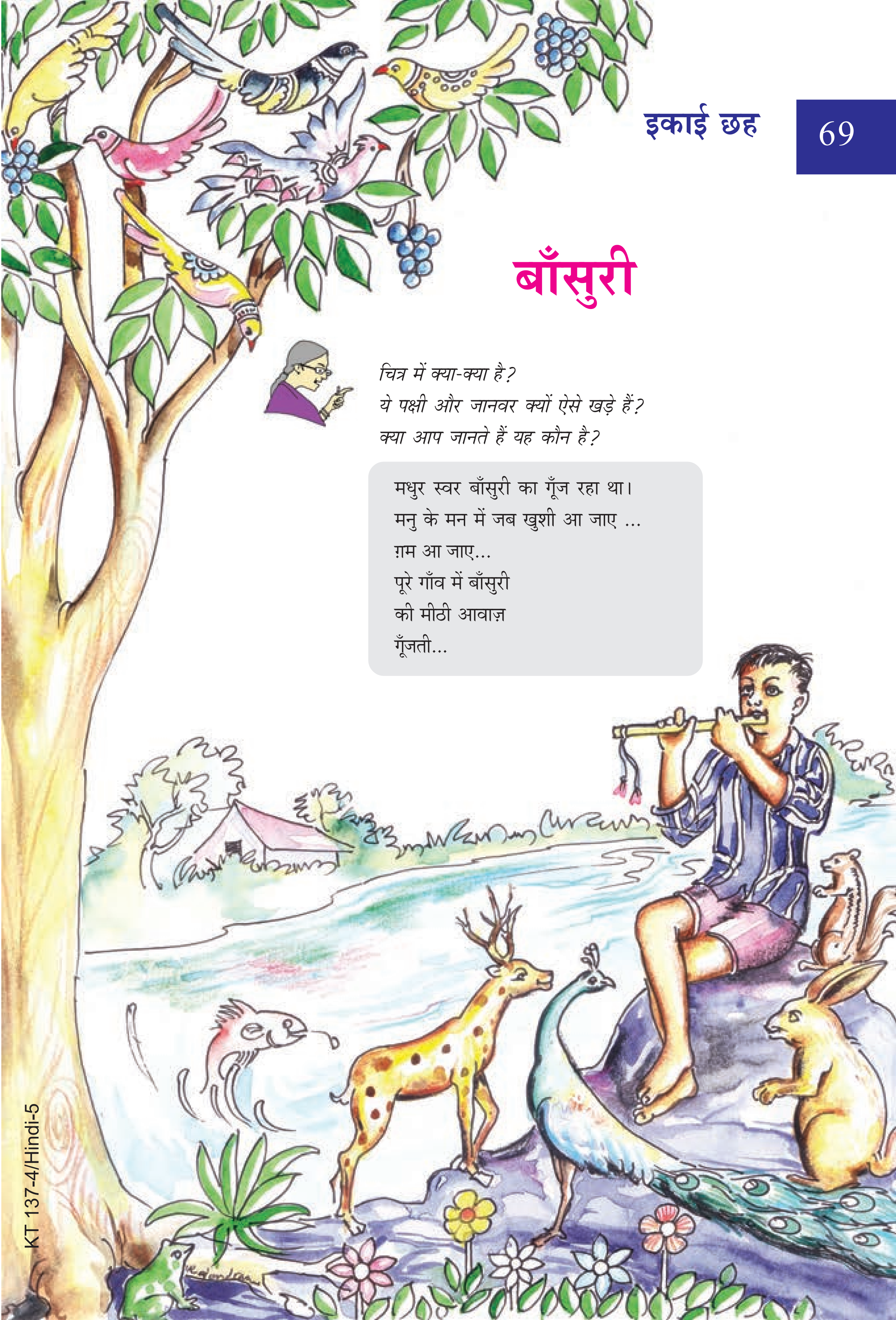

बाँसुरी

चित्र में क्या-क्या है?
ये पक्षी और जानवर क्यों ऐसे खड़े हैं?
क्या आप जानते हैं यह कौन है?

मधुर स्वर बाँसुरी का गूँज रहा था।
मनु के मन में जब खुशी आ जाए ...
ग़म आ जाए...
पूरे गाँव में बाँसुरी
की मीठी आवाज़
गूँजती...

KT 137-4/Hindi-5

क्या आप जानना चाहते हैं
कि मनु का बाँसुरी से
क्या संबंध है?

मनु और बाँसुरी

मनु के एक बाँसुरी है।
सुंदर और जादुई बाँसुरी।
गाँव के हरी घास भरे मैदान में
जब वह बाँसुरी बजाता,
कोयल, मोर आदि चिड़ियाँ
हिरण, खरगोश जैसे जानवर
उसके चारों ओर इकट्‌ठे होते।
उसकी मीठी आवाज़ में सारा गाँव झूम उठता।
सारा ग़म पिघल जाता।
मनु और बाँसुरी का अटूट संबंध...
हर पल दोनों एक साथ।

खुशी का दिन था। नदी के किनारे मनु बाँसुरी बजाते-बजाते चल रहा था। चलते-चलते उसका पैर फिसल गया। बाँसुरी नदी में गिर पड़ी। बहती-बहती वह एक पत्थर से टकराकर रुक गई।

रोती क्यों?

पत्थर : वाह... अच्छी लगती हो, रोती क्यों?

बाँसुरी : हाय... मैं आफ़त में पड़ गई।

पत्थर : क्या हुआ?

बाँसुरी : मनु आज बहुत खुश था। प्यार से मुझे बजाते चल रहा था। अचानक वह फिसलकर गिर गया। मैं छूटकर पानी में गिरी। मुझे बचाओ।

पत्थर : कैसे बचाऊँ...? मैं चल नहीं सकता। लेकिन हाँ,कुछ कर सकता हूँ।

बाँसुरी : क्या...?

पत्थर : मैं नदी से कहूँ, वह तुम्हें रास्ता दिखा दे और तुम्हें किनारे पहुँचाए।

पत्थर ने नदी से क्या-क्या कहा होगा?

बाँसुरी आगे बहने लगी। मनु उसी दिशा में दौड़ रहा था। दोनों आपस में देखकर आहें भरते रहे...

बाँसुरी ने उस समय क्या सोचा होगा?

ओह!
यह कैसी पीड़ा है।
काश...!
मनु के हाथ लग जाती...?
बीते दिन कितने प्यारे थे...
मनु के साथ सारी दुनिया मुझे प्यार करती थी।
क्या वह खुशी लौट आएगी...?

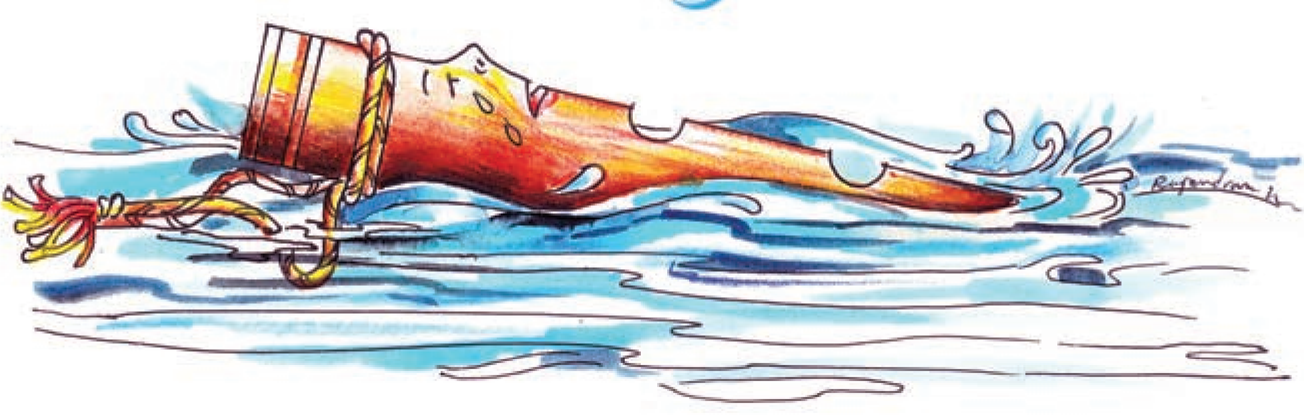

आगे क्या हुआ होगा?

- बहती बाँसुरी की हालत क्या होगी?
- क्या मनु और बाँसुरी मिले होंगे?
- हाँ तो क्या हुआ होगा?
- नहीं तो क्या हुआ होगा?

....

....

....

....

....

....

....

धीरे-धीरे बाँसुरी बहकर किनारे पहुँची।
मनु ने बाँसुरी उठा ली। दोनों बहुत खुश...!
फिर बाँसुरी से बहने लगा, वही अनोखा संगीत...

बाँसुरी

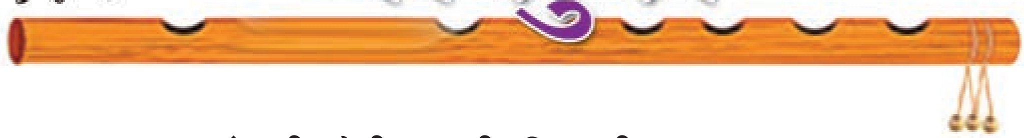

बाँसुरी मेरी प्यारी कितनी
मीठे राग सुनाती।
चंचल-चंचल दुनिया सारी
ताल उसी का लेती।

कोयल रानी चुपके आके
गीत मधुर अपनाती।
मनहर तितली फूल छोड़के
धुन में लीन हो जाती।

कल-कल करती बहती नदिया
अनहद में खो जाती।
मीठे राग सुनाती बाँसुरी
सबका दिल बहलाती।

आलाप करें, दृश्याभास करें ।

दृश्याभास कैसा रहा ?

मैंने क्या किया ?

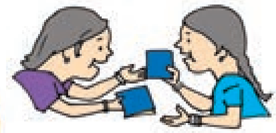

मेरे दोस्तों ने क्या किया ?

चुनें

आज ☐ **खुशी का दिन था** ☐ **प्रतीक्षा का दिन था**
☐ **जोश का दिन था** ☐ **दुख का दिन था ।**

सबेरे मनु के हाथ से ☐ **मैं उड़ गई** ☐ **मैं फिसल गई**
☐ **मैं बच गई** ☐ **मैं लुट गई।**

बहते-बहते मैं ☐ **डूब गई** ☐ **सागर पहुँची**
☐ **मनु के पास पहुँची** ☐ **घर पहुँची।**

अब बाँसुरी के मन में क्या-क्या विचार होंगे ?

आज का दिन बाँसुरी को कैसा लगा होगा?

बाँसुरी का अनुभव डायरी के रूप में लिखें।

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
				१	२	३
४	५	६	७	८	९	१०
११	१२	१३	१४	१५	१६	१७
१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४
२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१

जनवरी

05

सोमवार

2015

परिचित शब्दों पर गोला लगाएँ और लिखें...

बाँ	ख	र	गो	श	प
सु	हा	थी	ति	त	ली
री	थ	ली	ग़	चि	प
को	य	ल	म	डि	तं
मो	र	घा	दु	या	ग
अ	नो	खा	नि	मै	पे
हि	र	ण	या	दा	ड़
आ	वा	ज़	त	न	दी

..........बाँसुरी.......... ....खरगोश..........

....

....

....

....

शब्दार्थ

बाँसुरी	flute	ഓടക്കുഴൽ
जादुई	magical	മാന്ത്രികമായ
बजाना	to play	വായിക്കുക / മീട്ടുക
कोयल	cuckoo	കുയിൽ
मोर	peacock	മയിൽ
चिड़ियाँ	birds	പക്ഷികൾ
इकट्ठे होना	to assemble	ഒത്ത് ചേരുക
चारों ओर	all around	നാലുപാടും / ചുറ്റിലും
झूम उठना	to feel happy	സന്തോഷത്തിൽ മുഴുകുക
ग़म	sorrow	ദുഃഖം
पिघल जाना	to melt	അലിയുക
अटूट	unbreakable	തകരാത്ത
संबंध	relation	ബന്ധം
तितली	butterfly	പൂമ്പാറ്റ
धुन	rhythm	ലയം
अनहद	celestial sound	അലൗകികനാദം
खो जाना	to melt	അലിഞ്ഞ് ചേരുക
अनोखा	strange	വിചിത്രമായ
मनहर	beautiful	മനോഹരമായ

अधिगम उपलब्धि

- कहानी का अंश पढ़कर आशय ग्रहण करता है।
- वार्तालाप पढ़कर आशय ग्रहण करता है।
- विवरणात्मक शैली से वार्तालाप को आगे बढ़ाने की क्षमता प्राप्त करता है।
- सोच पढ़कर आशय ग्रहण करता है।
- बालगीत सुन-पढ़कर आशय ग्रहण करता है।

इकाई सात

दोस्ती

चित्र में क्या-क्या हैं?

फर्क पहचानें...

बताएँ... लिखें...

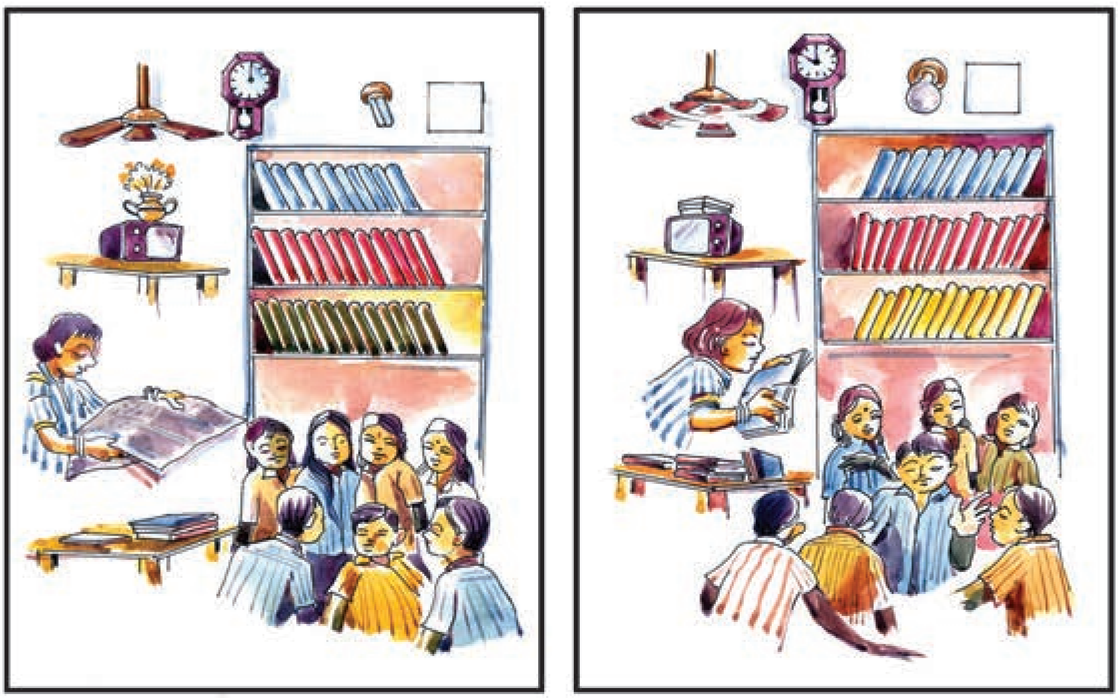

मेज़ पर पाँच किताबें ।	मेज़ पर चार किताबें ।
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....

मिलते हैं इसमें सब
क्षमा की महिमा है, इसमें
सहन की गरिमा है।
मिलते हैं इसमें सब
दोस्ती की धड़कन है, इसमें
औरों की राहत है।
मिलते हैं इसमें सब
माँ की ममता है, इसमें
प्यार की छाया है।
मिलते हैं इसमें सब
रंगों की माला है, इसमें
फूलों की खुशबू है।

भाव पहचानें

कविता पढ़ें
शीर्षक दें।

पद-सूर्य की पूर्ति करें।

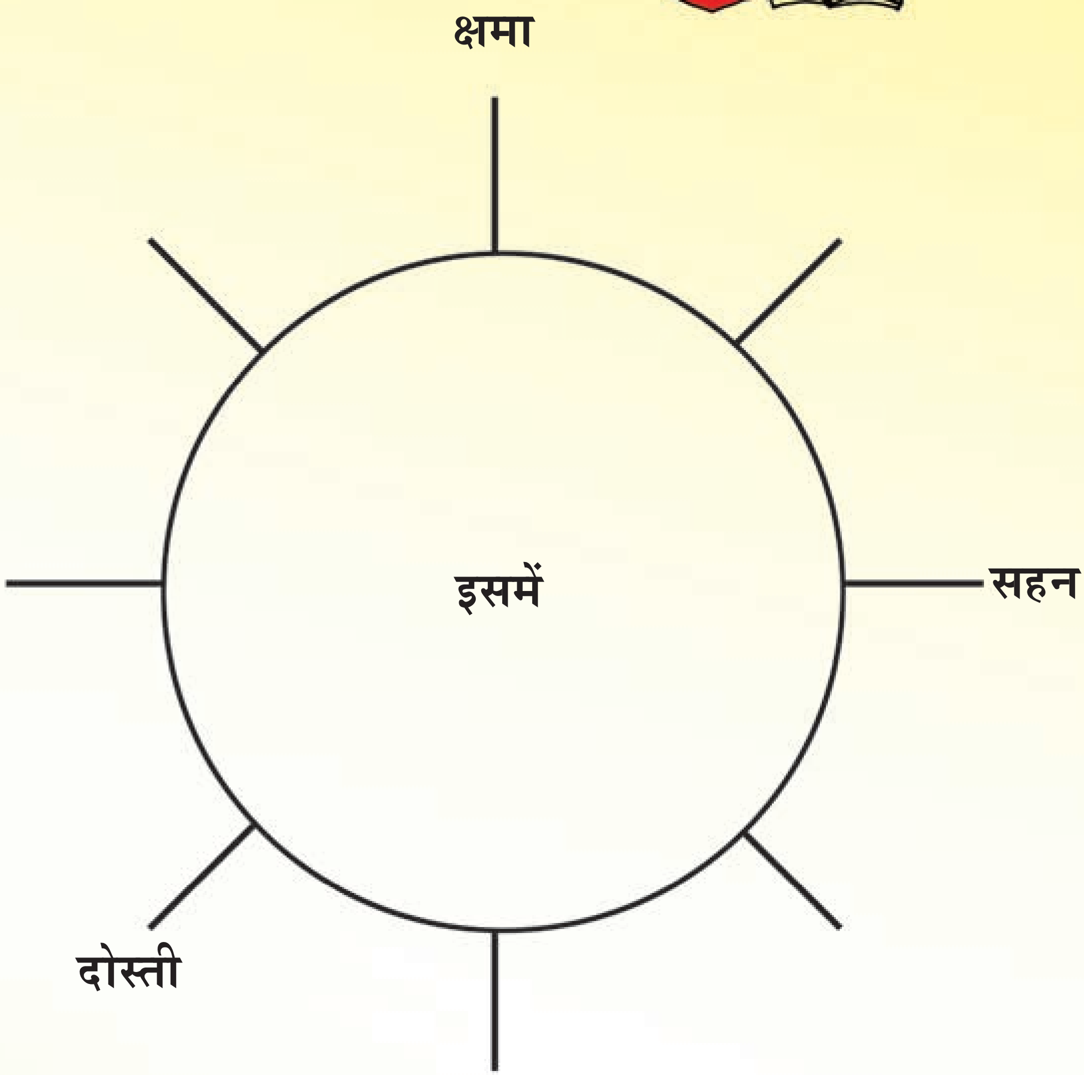

इसमें क्षमा की महिमा है।

....

....

....

....

संदेश पहचानें

एक पल ज़िंदगी का

अनस और मानस बड़े मित्र थे। एक बार किसी अत्याचारी राजा ने अनस को कैद कर दिया और फाँसी की सज़ा सुना दी। "मरने से पहले एक बार मैं अपने परिवार से मिलना चाहता हूँ।" अनस बोला।

"ठीक है, किसी दूसरे को लाओ तो तुम अपने परिवार से मिल सकते हो।" राजा ने कहा। एक दिन मानस अपने दोस्त से मिलने जेल आया और उसके बदले जेल में रहने को तैयार हुआ।

फाँसी का दिन आ गया। अनस नहीं पहुँचा। मानस को फाँसी देने की तैयारियाँ हुईं।

“मैं आ गया हूँ। फाँसी मुझे दो” अनस दौड़ कर आया। दोनों गले मिले। राजा को यह नया अनुभव था। वे बोले “सच्चे मित्रों की जोड़ी तोड़ना मैं नहीं चाहता। देश को आप जैसे मित्र चाहिए।”

दोस्ती की जीत हुई। दोनों खुशी-खुशी घर लौटे।

किसने कहा?

"फाँसी मुझे दो"

....

"देश को आप जैसे मित्र चाहिए।"

....

"मरने से पहले एक बार मैं अपने परिवार से मिलना चाहता हूँ।"

....

लिखें,अपने दोस्त के बारे में...

वाक्य लिखें, रंग दें

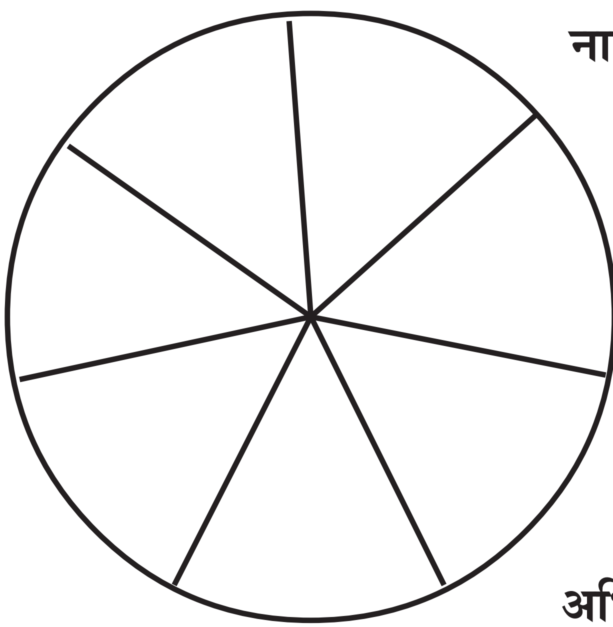

नाम क्या है?

कहाँ रहता है?

माता-पिता कौन है?

घर में कौन-कौन हैं?

मनपसंद शगल क्या है?

मनपसंद रंग क्या है?

अभिलाषा क्या है?

....

....

....

....

....

....

....

दोस्त की महिमा गाएँ...

मेरा दोस्त दिलेरा है।
मुझको बड़ा सहारा है।
अच्छी बात सुनाता है।
सच्ची राह दिखाता है।

आगे बढ़ाएँ...

....

....

....

....

पहचानें

चमकती आँखें

मेरी माँ अब यादों में हैं। लेकिन उनकी प्यार से चमकती आँखें अब भी मेरे सामने हैं। पापा ने माँ की आँखें दान में दीं। पापा से मेरी दोस्ती अब कम है। घरवाले सब पापा से नाराज़ हैं।

एक दिन पापा मुझे समारोह में ले गए। वहाँ एक युवक मंच पर आया। “मैं अंधा था।” पापा को इशारा करके युवक ने कहा। “इनकी प्यारी बीवी की आँखों ने मेरे जीवन को रोशनी दी।” खुशी से युवक की आँखें चमक उठीं। उन आँखों में अपनी माँ की प्यार भरी चमक मैंने देखी।

नेत्रदान के महत्व पर एक नारा तैयार करें।

बीते पन्नों से गुज़रें...
पहचानें...

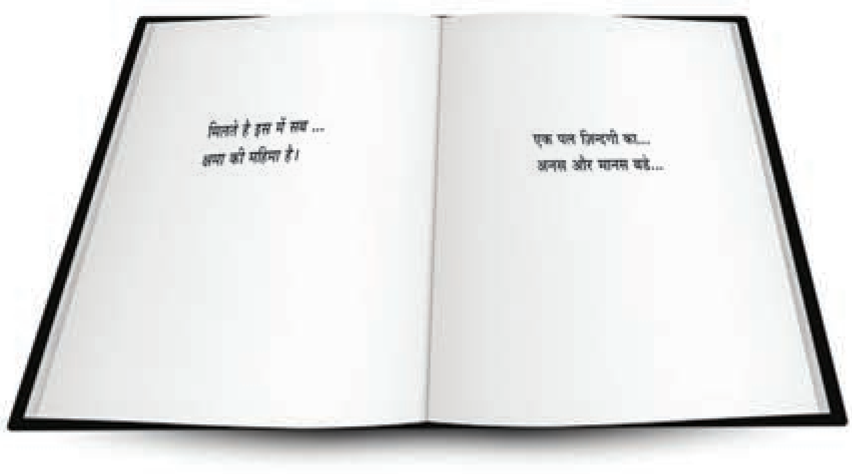

प्यारे मित्रो...

कविता पसंद आयी?

कहानी में दोस्ती की धड़कन सुनी?

औरों को राहत देने वाली घटना कैसी लगी?

ये सब मेरे पन्नों पर है...

और भी है...

पढ़ें... बढ़ें... प्यार के साथ जिएँ...

तुम्हारी ....

समस्या का हल निकालें...

१	२	३	४	
५				

दाईं ओर

१ पुस्तक के लिए दूसरा शब्द

३. एक पालतू जानवर

५. हाथी का रंग

नीचे की ओर

२. चारों ओर किनारे, पानी से भरा।

३. घर की खुली जगह जहाँ लोग आराम करने बैठते हैं।

४. सबसे बड़ा फल।

पहचानें... लिखें...

नाक
आँख
हाथ
पैर
कान
मुँह

से

देखता है
सुनता है
बोलता है
साँस लेता है
लिखता है
चलता है

जैसे

नाक से साँस लेता है।

....

....

....

....

....

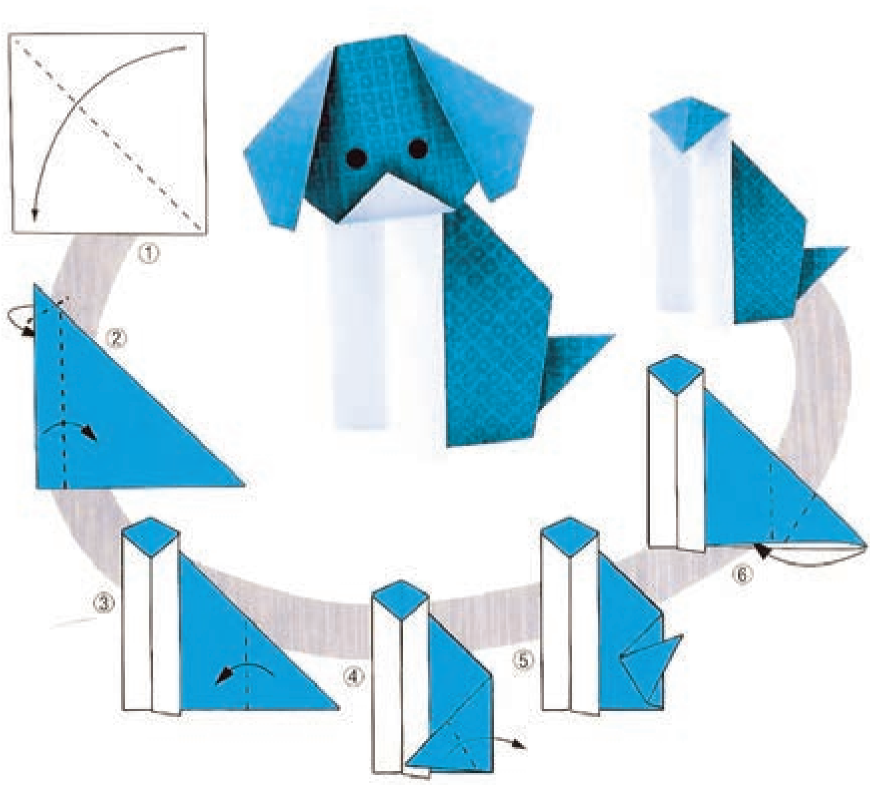

अध्यापिका के निर्देशों के अनुसार बनाएँ ।

शब्दार्थ

धड़कन	heart beat	ഹൃദയ സ്പന്ദനം
राहत	relief	ആശ്വാസം
ममता	affection	വാത്സല്യം
खुशबू	fragrance	സുഗന്ധം
ज़िंदगी	life	ജീവിതം
कैद	jail	ജയിൽ
फाँसी की सज़ा	capital punishment	വധശിക്ഷ
गले मिला	embraced	ആലിംഗനം ചെയ്തു
तोड़ना	to break	തകർക്കുക
जीत हुई	won	വിജയിച്ചു
अभिलाषा	desire	ആഗ്രഹം
दिलेरा	dear	പ്രിയപ്പെട്ട
रोशनी	light	പ്രകാശം
इशारा करना	to make a sign	ചൂണ്ടിക്കാണിക്കുക
पन्ना	page	പേജ്
गरिमा	greatness	മഹത്വം
सहारा	support	സഹായം
चमकती आँखें	glittering eyes	തിളങ്ങുന്ന കണ്ണുകൾ
नाराज़	displeasure	അസന്തുഷ്ടി
मंच	stage	വേദി

अधिगम उपलब्धि

- ताल-लय के साथ बाल गीत सुन-पढ़कर आस्वादन और आलाप करने की क्षमता प्राप्त करता है।
- कविता में पंक्तियाँ जोड़ने की क्षमता प्राप्त करता है।
- कहानी पढ़कर आशय ग्रहण करता है।

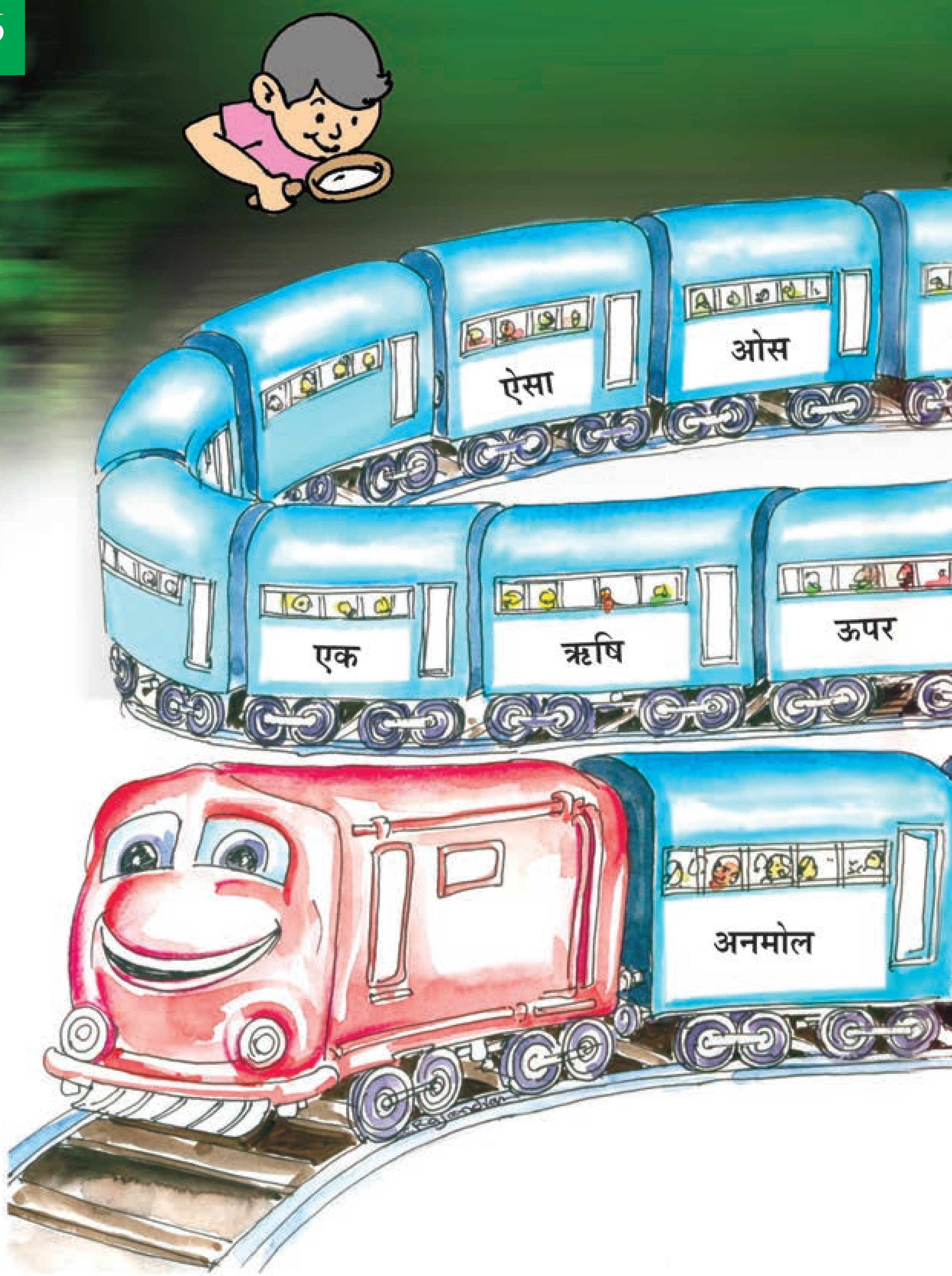
ऐसा
ओस
एक
ऋषि
ऊपर
अनमोल

चित्र के शब्दों की विशेषता पहचानें ।
इसके आधार पर परिचित शब्दों को क्रमबद्ध करें ।

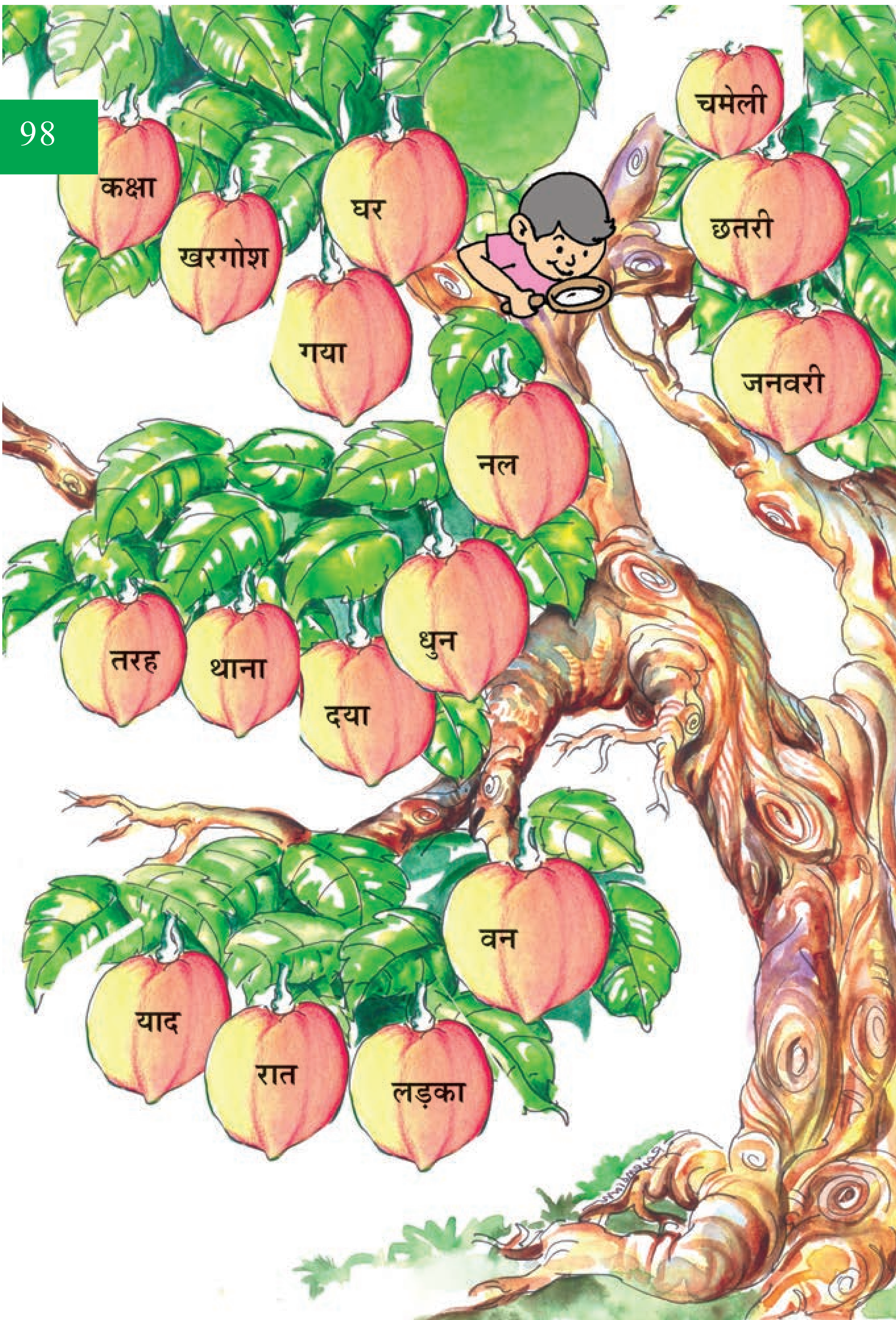
कक्षा
खरगोश
घर
गया
चमेली
छतरी
जनवरी
नल
तरह
थाना
धुन
दया
वन
याद
रात
लड़का

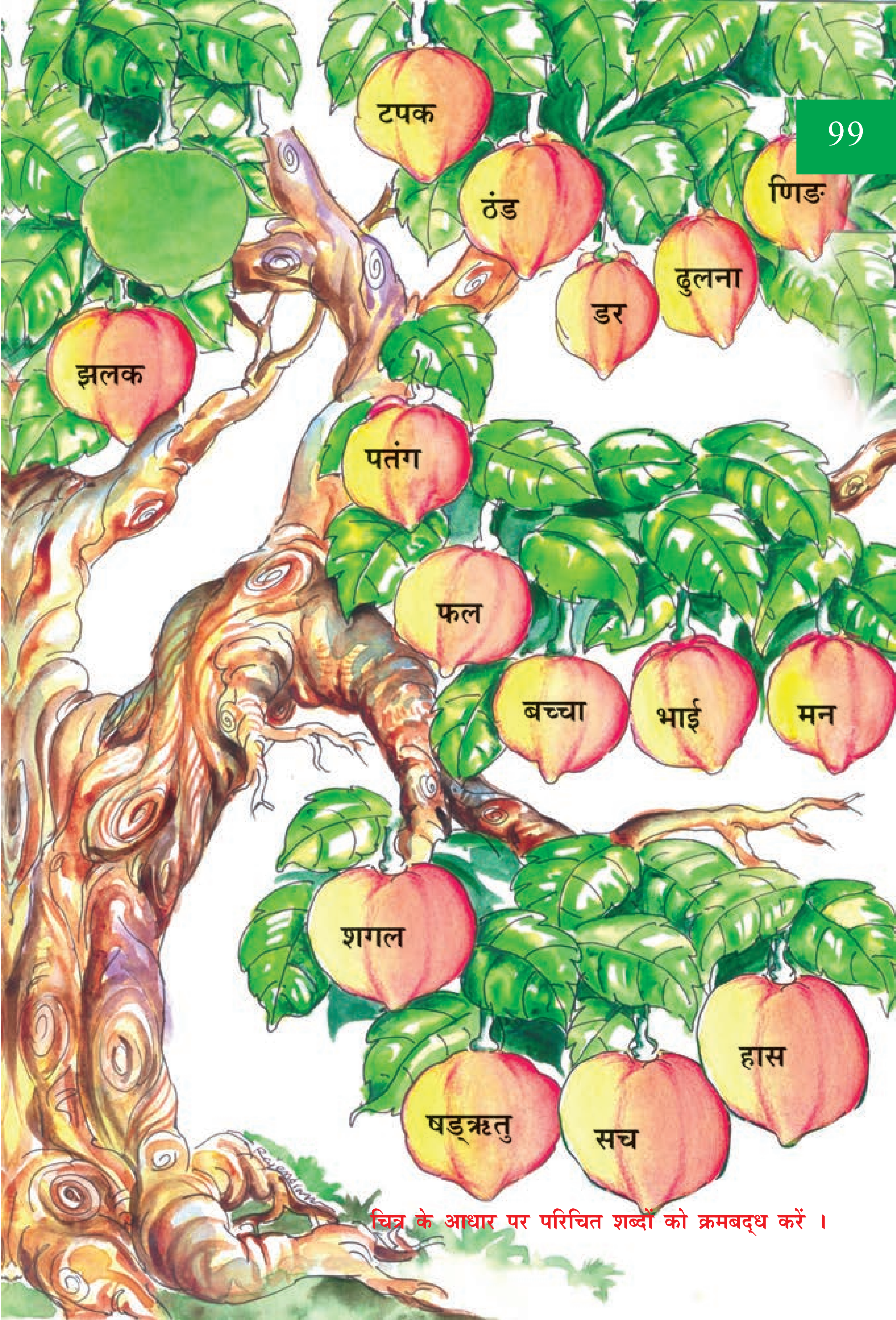

चित्र के आधार पर परिचित शब्दों को क्रमबद्ध करें ।

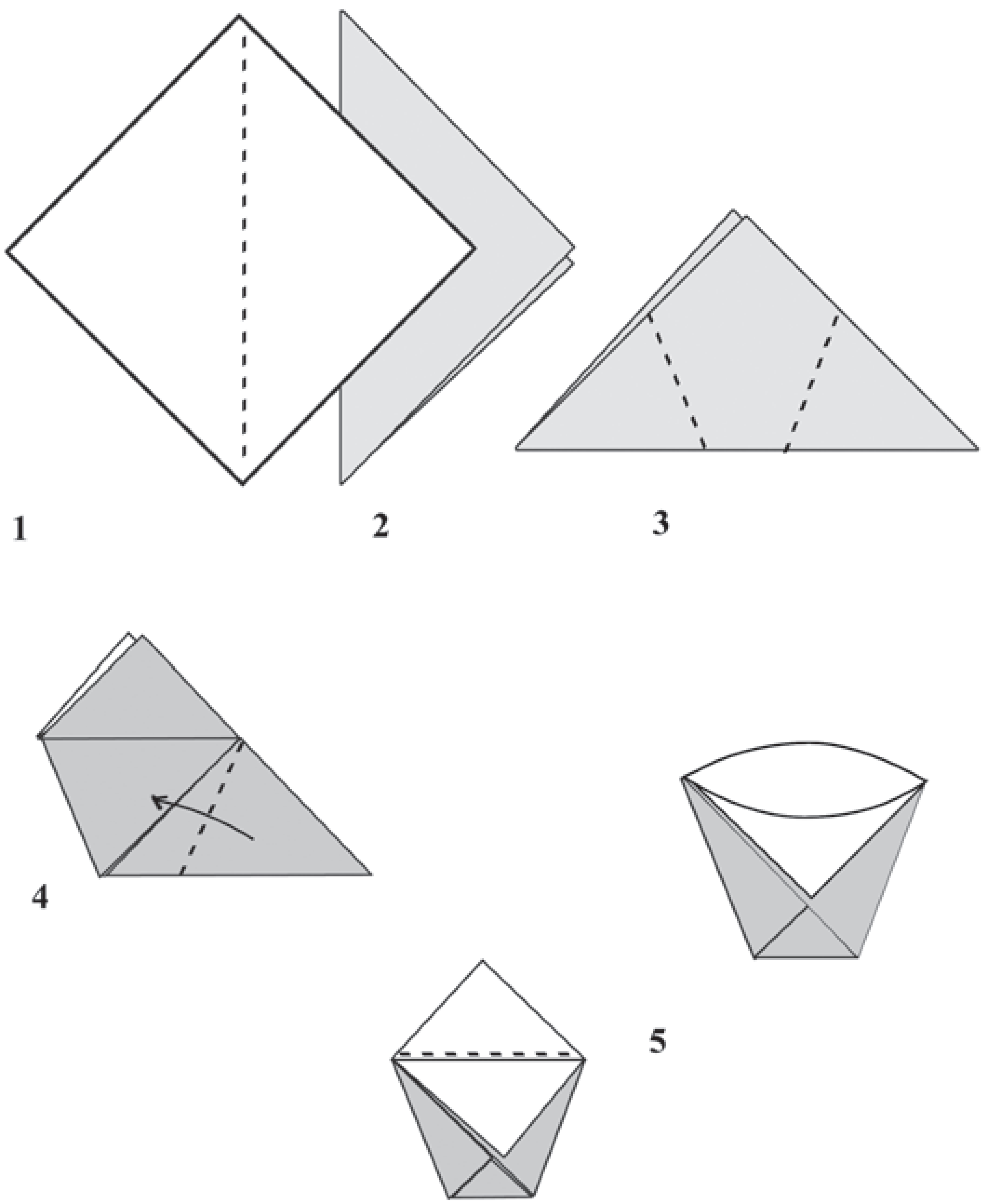

अध्यापिका के निर्देशों के अनुसार बनाएँ ।